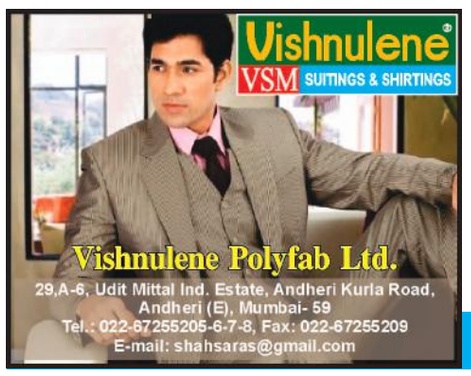

श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ

पाक्षिक
टेक्सटाइल वर्ल्ड

Postal Registration No : BHILWARA/208/2018-2020 Posting on 09-08-2020 at Rail Mail Service, Bhilwara

वर्ष-23 | अंक-04 | भीलवाड़ा/ 7 अगस्त, 2020 | कुल पृष्ठ- 08 | मूल्य : 15 रुपए

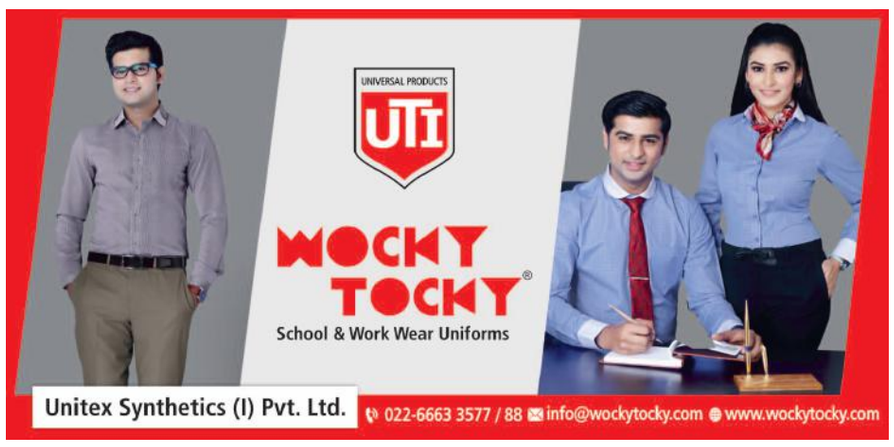

कॉटन कैम्ब्रिक कपड़ों में थोड़ी तेजी

रिटेल में ग्राहकी ने पकड़ी रफ्तार

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में लॉकडाउन के कारण अनलॉक-2 में कपड़ा कामकाज सुचारु ढंग से नहीं चल सका है। अनलॉक 3 में भी वही स्थिति है, बहुत छूट नहीं मिली है। भिवंडी, इचलकरंजी में इसका व्यापक असर देखा गया। जहां नहीं है, वहां कम संख्या में लूम चालू रहे हैं। भिवंडी में कारीगरों की कमी से लूमों पर काम नहीं हो रहा था, अब कारीगर लौट रहे हैं। अभी मालेगांव, बुरहानपुर और साउथ की ओर उत्पादन ठीक ढंग से होने की रिपोर्ट है। कॉटन यार्न की खपत पर सबसे बुरा असर देखा गया, इससे ग्रे कपड़ों के भाव में करीब 10 प्रतिशत की गिरावट भी दर्ज की गई है। वीवर्स बहुत सतर्क होकर लूम्स चला रहे हैं, ताकि वे किसी बड़े स्टॉक से बचे रहे। रिटेलर्स एसोसिएशन की मांग है कि रिटेल दुकानों के खोले जाने की अवधि अब बढ़ाई जाए।

रिटेल दुकानों में थोड़ी बहुत ग्राहकी रही है, लेकिन यह त्योहारों जैसी नहीं, जैसा कि ईद एवं रक्षाबंधन की ग्राहकी रहती आई है। आगे ओणम, पूजा, दशहरा एवं दीपावली जैसे भारी भरकम त्योहार आने वाले हैं। हालांकि दीपावली इस बार नवम्बर में पड़ रही है। बाजार के सितम्बर से अच्छी तरह से चलने का अनुमान है। 15 अगस्त से जैनों का पर्युषण पर्व शुरू होने पर पाली, बालोतरा और अहमदाबाद के बाजार बंद रहते हैं। थोक बाजारों में कामकाज सही ढंग से नहीं हो रहा है। उम्रदराज व्यापारियों के बाजार में आने की मनाही है। लोकल ट्रेन नहीं चलने से दूरदराज से आने वाले कर्मचारी, गुमास्ता इत्यादि नहीं आ रहे हैं। एक तिहाई के आधार पर अभी कम संख्या में दुकानें खुल रही है। इसमें भी व्यापारी जरूरी काम निपटा कर तीन से चार घंटों के बाद लौट जाते हैं। ऐसी रिपोर्ट है कि व्यापारियों ने अहमदाबाद से शर्टिंग, सूरत से साड़ी और ड्रेस मटीरियल थोड़ा-थोड़ा मंगाना शुरू कर दिया है। व्यापारियों का पिछला पेमेंट नहीं आया है। चार महीने के लॉकडाउन से पेमेंट की समस्या अति गंभीर होती जा रही है। खराब वित्तीय संकट का डर सता रहा है। यह समस्या अधिक जटिल नहीं हो इसके लिए अब उत्पादक, प्रोसेर्स और व्यापारी नकद भुगतान अथवा आरटीजीएस के माध्यम से कारोबार करना चाहते हैं।

दूसरी ओर पाली, बालोतरा और जेतपुर स्थित डाइंग हाउसों एवं प्रिंटिंग इकाईयों में कामकाज जोरदार ढंग से हो रहा है। यह भी सच है कि ग्रे कपड़ों का भाव मार्च महिने के भाव से आज करीब 10 प्रतिशत नीचे उतरे हैं। ग्रे कपड़ों में भाव घटने का प्रमुख कारण कॉटन यार्न और रुई के भाव में आई गिरावट माना जा रहा है।

भिवंडी शहर के विभिन्न इलाकों में अभी तक सिर्फ एक पाली में लूम चल रहे थे, लेकिन मजदूरों के अब लौटने से बहुत सारे कारखानों में उत्पादन दोनों पाली में होने लगा है। भिवंडी से लॉकडाउन के दौरान 70 प्रतिशत से अधिक मजदूर अपने गांव चले गए थे। इनके पलायन के कारण बमुश्किल 30 से 35 प्रतिशत ही पावरलूम कारखाने शुरू हो पाए थे। पिछले एक सप्ताह से उत्तरप्रदेश और बिहार के मजदूरों का आना शुरू हो जाने से कहीं-कहीं दोनों पाली में कारखानें चलने लगे हैं। पावरलूम मालिकों को अब थोक एवं रिटेल कपड़ा बाजारों और यार्न बाजार के सही ढंग से शुरू होने की उम्मीद जगी है। बड़े वीवर्स का कहना है कि जब तक मुंबई के प्रमुख कपड़ा मार्केट में देसावरी मंडियों के व्यापारी नहीं आते हैं, तब तक कपड़ों की मांग बढ़ने की संभावना कम है।

भिवंडी तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में सात लाख से अधिक पावरलूम, साइजिंग एवं डाइंग इकाईयों में कई राज्यों से आकर कारीगर काम करते हैं। अब जब श्रमिकों का लौटना शुरू हो गया है, तो कोरोना संक्रमण को देखते हुए बाहर से आने वाले श्रमिकों की जांच करने की विशेष व्यवस्था करने की मांग स्थानीय प्रशासन से की गई है। लूमों पर ग्रे कपड़ों का उत्पादन बढ़ने से आगे चलकर यार्न की मांग भी बढ़ेगी। अभी यार्न मार्केट बंद हैं। यार्न की आपूर्ति बाधित तथा सीमित है। जिन बड़े वीवर्स के पास लॉकडाउन से पहले का खरीदा यार्न है, उनका काम येन केन प्रकारण चल रहा है, परंतु इस बीच यार्न की खपत पर निरंतर दबाव होने से यार्न के भाव नीचे की ओर लुढ़क रहे थे, वहीं अब ऊपर चढ़ने लगे हैं। कॉटन केम्ब्रिक कपड़ों में थोड़ी तेजी है, अन्यत्र मांग बिल्कुल नहीं है। कॉटन ग्रे कपड़ों का भाव हाल में मार्च महिने के भाव से करीब 10 प्रतिशत कम हैं, जबकि भिवंडी जैसे उत्पादन केंद्र पर कारीगरों की भयंकर कमी के चलते अभी तक उत्पादन 25 से 30 प्रतिशत की क्षमता से ही चल रहा है। चुनिंदा वैराइटी की लेवाली को छोड़ कर अन्य वैराइटी की मांग नहीं है। सूती मलमल 80/100, 68/64, 49''पना अच्छी गुणवत्ता के ग्रे का भाव 22.50 से 23 रू, 100/100, 78/68 ग्रे का भाव 23.50 से 24 रू, 70/90, 64/53 ग्रे का भाव 19 से 20.50 रू है। इसी तरह सूती कैम्ब्रिक 60/60, 92/88, 49'' पना अच्छे माल का भाव 38 से 40 रू, सेमी का भाव 36.50 से 38 रू तक है। कैम्ब्रिज के अच्छे माल में ग्राहकी है। दूसरी आइटम जो हाल कुछ-कुछ बिकनी शुरू हुई है, उसमें 30/20 रेयान 63'' पना का भाव 37.50 रू और 48'' पना का 28 रू है।

चीन ने अमेरिका से आवश्यकता से अधिक कॉटन खरीदी

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत तीन महीनों के दौरान चीन ने पहले चरण की व्यापार वार्ता की शर्तों को पूरा करने लिए भारी मात्रा में कॉटन की खरीद की है, जो उसकी आवश्यकता से कहीं अधिक है तथा संभव है कि आगामी महीनों में वह और खरीद न करे। सूत्रों के अनुसार चीन ने अमेरिका से लगभग एक बिलियन डॉलर मूल्य की कॉटन की खरीद कर ली है। इसी प्रकार पहले चरण की व्यापार वार्ता की शर्तों के अनुसार चीन को अमेरिका से 36.5 बिलियन डॉलर की कृषि जिंसों का आयात करना है। चीन कॉटन के अतिरिक्त अमेरिका से सोयाबीन, मक्का, सारगम तथा कुछ अन्य कृषि जिंसों का आयात प्रमुखता से करता है।

चीन सोयाबीन और कॉटन का सबसे बड़ा आयातक देश

उल्लेखनीय है कि चीन सोयाबीन और कॉटन का सबसे बड़ा आयातक देश है। एक ओर जहां चीन ने अमेरिका से कॉटन भारी खरीद कर ली है, वहीं दूसरी ओर कोरोना वायरस महामारी के कारण रिटेल स्टोर बंद होने से वहां की मिलों के पास नए ऑर्डर नहीं आ रहे हैं, इससे अमेरिका से आयातित कॉटन का चीनी मिलें स्टाक कर रही हैं और उनके गोदाम भरते जा रहे हैं। जानकारों बताते हैं कि शर्तों को पूरा करने के लिए चीन की सरकारी एजेंसियों ने खपत की तुलना में अधिक कॉटन की खरीद की है। इस वर्ष चीन ने कॉटन का अतिरिक्त आयात कोटा भी जारी नहीं किया है। साथ ही चीन द्वारा खरीद की अधिकांश कॉटन वहां के सरकारी बफर स्टॉक में जाने का अनुमान है। विश्व बाजार की वर्तमान स्थिति में चीन को निर्यात ऑर्डर भी नहीं मिल रहे हैं और इससे इस समय आयात की जा रही कॉटन से आगामी समय की मांग को पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और यूरोप में रेडीमेड गारमेंट की मांग को भारी झटका लगा है, क्योंकि वहां के दो प्रमुख रिटेलर स्टोर दिवालिया होने के कगार पर हैं तथा चीन को वहां से रेडीमेड गारमेंट के नए ऑर्डर केवल सीमित मात्रा में ही मिलने की सम्भावना है। इसी बीच, विश्व में कॉटन की खपत गिर कर 230 लाख गांठ रह जाने का अनुमान है।

अनेक आयातक कॉटन सौदों से मुकरे

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

कॉटन व्यापार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कोविड-19 के कारण उत्पन्न हुए हालातों में अनेक आयातक अमेरिका और कुछ अन्य देशों के साथ हुए सौदों से मुकर गए हैं, इसमें सबसे अधिक आयातक चीन के हैं। उल्लेखनीय है कि चीन विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है तथा अपनी खपत के एक बड़े भाग को आयात से पूरा करता है। चीन टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट का सबसे बड़ा निर्यातक देश भी है और गत कुछ महिनों में फैली कोविड-19 महामारी के कारण वहां से निर्यात में भारी गिरावट आई है, इससे वहां की मिलों में उत्पादन कम हो गया है।

कोविड महामारी के कारण मिलों मांग कमजोर होने से आइसीइ में कॉटन के भाव में एक समय 25 प्रतिशत तक की गिरावट आ गई थी, पर विगत दिनों भाव में कुछ सुधार हुआ है फिर भी जनवरी की तुलना में भाव में लगभग 11 प्रतिशत की कमी है। अप्रैल में कॉटन के भाव गिर कर लगभग 10 वर्ष के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। सूत्रों के अनुसार जहां एक ओर कॉटन के भाव में गिरावट आई है, वहीं दूसरी ओर फैब्रिक और रेडीमेड गारमेंट के ऑर्डर भी नहीं आ रहे हैं, इससे चीन की अनेक कॉटन मिलों ने पुराने रेट पर किए सौदों से मुकरना आरंभ कर दिया है।

शेष पेज 6 पर

यूनिफॉर्म फैब्रिक एवं निर्यात क्षेत्र से नये ऑर्डर का इन्तजार

अन्य विकल्प के रूप में शर्टिंग, फर्निशिंग एवं गारमेंट उत्पादन में संभावना तलाशते उद्यमी

भीलवाड़ा/ कमलेश व्यास

संपूर्ण विश्व जगत को संकट में डालने वाली इस महामारी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को भी काफी हद तक कमजोर किया है। इसी क्रम में स्थानीय वस्त्र मंडी भी संकट के दौर से गुजर रही है। गौरतलब है कि शहर में सूटिंग उत्पादन का कुल मासिक उत्पादन 8 से 9 करोड़ मीटर होने लगा था, जो वर्तमान समय में लगभग 25 से 30 फ़ीसदी रह गया है। स्थानीय टेक्सटाइल उद्योग में सूटिंग फैब्रिक विभिन्न सेगमेंट में बनाई जा रही है जिसमें पीवी एवं डाइड में विशेष पहचान है, परंतु लॉकडाउन खुलने के बाद घरेलू बाजार में विशेष मांग नहीं निकलने से हालत बेहतर नहीं है। कुछ राहत के रूप में कई राज्यों की शर्टिंग एवं दुपट्टे के जोब ऑर्डर आने से माल बनाया जा रहा है, जिसमें मुंबई के ऑर्डर भी शामिल हैं क्योंकि मुंबई कपड़ा बाजार लगभग बंद पड़ा है।

महामारी के इस दौर में स्थानीय उद्यमी अन्य सेक्टर में संभावनाएं तलाश रहे हैं, जिसमें शर्टिंग के साथ ही होम फर्निशिंग, बेडशीट, मेडिकल सेक्टर एवं गारमेंट उत्पाद भी अन्य विकल्प के रूप में बन सकते हैं, जिससे आगामी समय में मण्डी के टर्नओवर में इजाफा हो सकता है।

पिछले दिनों राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन एवं मेवाड़ चेंबर के तत्वावधान में वेबीनार का विशेष आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत बेंकिंग सेक्टर से इंडस्ट्री को क्या फायदा हो साथ ही इण्डस्ट्री के विकास हेतु विचार विमर्श किया गया। इस दौरान राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन के चैयरमेन श्री एस एन मोदानी ने बताया कि इस समय हमें मजबूती से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि आगामी नवंबर माह तक व्यापार पुनः पटरी पर आने लगेगा। साथ ही यह राजस्थान टेक्सटाइल इंडस्ट्री विशेषतः भीलवाड़ा आज हर तरीके से सक्षम है। यहां की इण्डस्ट्री स्वयं की इन-हाउस प्रॉडक्शन सुविधाओं से सुसज्जित है। इंडस्ट्री आगामी 5 से 7 वर्षों में सूटिंग सेगमेंट के साथ अन्य प्रॉडक्ट में अच्छा डवलपमेंट कर दुगुना टर्नओवर कर सकती है। इस अवसर पर चेंबर के सचिव श्री आर के जैन, नितिन स्पिनर्स के डायरेक्टर श्री दिनेश नौलखा, आर एस डब्ल्यू एम के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री बीएम शर्मा आदि ने इंडस्ट्री में आ रहे तात्कालिक व दूरगामी प्रभावों के साथ साथ आगामी योजनाओं पर अपने अपने विचार रखे।

इस अवसर पर लघु उद्योग भारती भीलवाड़ा के अध्यक्ष श्री महेश हुरकट, भीलवाड़ा ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष श्री दामोदर अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री अतुल शर्मा आदि गणमान्य उद्यमियों एवं संस्थाओं के अधिकारियों ने शिरकत की।

एके स्पिनटेक्स के टेक्निकल प्रेसिडेंट श्री अरुण सिंह ने बताया कि एक्सपोर्ट क्षेत्र में पुराने आर्डर लगभग समाप्ति की ओर हैं और अब नए ऑर्डर मिलने पर निगाहें हैं क्योंकि ईद निकल चुकी है, चाइना से कितना कारोबार कम हुआ है एवं भारतीय बाजार निर्यात क्षेत्र में कितना बढ़ा है, जो अब नए ऑर्डर आने पर पता चलेगा।

श्री सिंह ने कहा कि स्कूल खुलने के निर्णय पर निगाहें टिकी हैं। अगर स्कुले खुलते हैं तो यूनिफॉर्म के आर्डर मिलने लगेंगे। वर्तमान में काम 25 से 30 प्रतिशत हो रहा है, जिसमें यूनिफॉर्म फैब्रिक भी शामिल है।

बाजार में ग्राहकी शुरू, अच्छी बरसात का इंतजार

बैरागढ़/ मीनल भूता

राखी का पर्व सम्पन्न हो गया है। मानसून की बारिश से अचंल तरबतर है, किन्तु अच्छी बारिश के लिए प्रार्थना और दुआएं असर नहीं दिखा रही है, ईश्वर कब महरबान होगा। कोरोना माहौल के बीच रक्षाबंधन का ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छा माहौल बना है। यदि माहौल बना रहा तो बाजार में उत्साह का संचार हो सकता है। गारमेण्ट बाजार में भी रक्षाबधंन ग्राहकी का अच्छा नजारा है। इस बार थोक कारोबार का कपड़ा बाजार भी अच्छा चला है, भीलवाड़ा सूटिंग का कारोबार भी ठीक है। बाजार में सूटिंग शर्टिंग की मांग बढ़ रही है। खुदरा ग्राहक पुनः सक्रिय हो गया है। थोक कपड़ा बाजार में उधारी पर माल बिक रहा है। ऐसा अनुमान है कि कोरोना का प्रकोप यदि कमजोर पड़ता है, तो सीजनल कारोबार आगे बढ़ेगा। मानसून के अनुकूल रहते थोक व खुदरा स्तर पर आगामी सीजन पर ग्राहकी में रुझान बढ़ने की उम्मीद है। सूरत की साड़ियों में ग्राहकी समाप्त हो गई है। शर्टिंग में नए कन्सेप्ट पसन्द किए जा रहे हैं। सौधर्म टेक्सटाइल सूरत की शर्टिंग के जलवे कायम हैं। अरिहन्त ट्रेडर्स के जोड़ों में मांग निकली है।

बरसात व कोरोना से व्यापार प्रभावित

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

आलोच्य पखवाड़े से मुजफ्फरनगर एवं आसपास के पश्चिमी उत्तर प्रदेश की व्यापार मण्डियाँ धीरे धीरे मंदी की गिरफ्त में आती जा रही हैं। एक तो मानसून का चतुर्मास, ऊपर से कोरोना की दहशत और पकड़। साधारणतया ग्रीष्म ऋतु के लगन साया बीतने के बाद दुर्गा पूजा, नवरात्रि से पूर्व यहां के बाजारों में आमतौर पर व्यापार कम ही होता है। इस बार रही सही कसर कोरोना ने पूरी कर दी है। कोरोना के कारण प्रदेश में बाजार सप्ताह में केवल 5 दिन ही खोलने की अनुमति है, लेकिन इन 5 दिनों में भी व्यापार बहुत कम है। रिटेल में खरीददारी नगण्य है, बहुत आवश्यक है व चुनिंदा खरीददारी ही है। मेरठ के प्रख्यात एजेंट श्री लक्ष्मण रस्तोगी के अनुसार अभी बुकिंग कोई विशेष नहीं है। मुजफ्फरनगर के जेण्ट्स रिटेल शोरूम के श्री किशन खरबन्दा के अनुसार कामकाज हल्का है।

बाजार में ग्राहकी सीमित

ब्यावर/ अनिल डोसी

बाजार में रक्षाबंधन की ग्राहकी सीमित ही चली, जबकि दिसावर से माल की आवक अच्छी रही । अब कपड़ा बाजार दशहरा से ही चल पाने की उम्मीद है, तब तक वर्षा कोरोना आदि के कारण बाजार ठंडा ही रहेगा। पेमेंट की आवक सीमित होने से नाणातंगी बनी हुई है। मुंबई सूरत अहमदाबाद पाली आदि से माल की आवक आवश्यकतानुसार ही है। सुटिंग शर्टिंग ड्रेस मटेरियल सलवार सूट व साड़ियों में सामान्य ग्राहकी है।

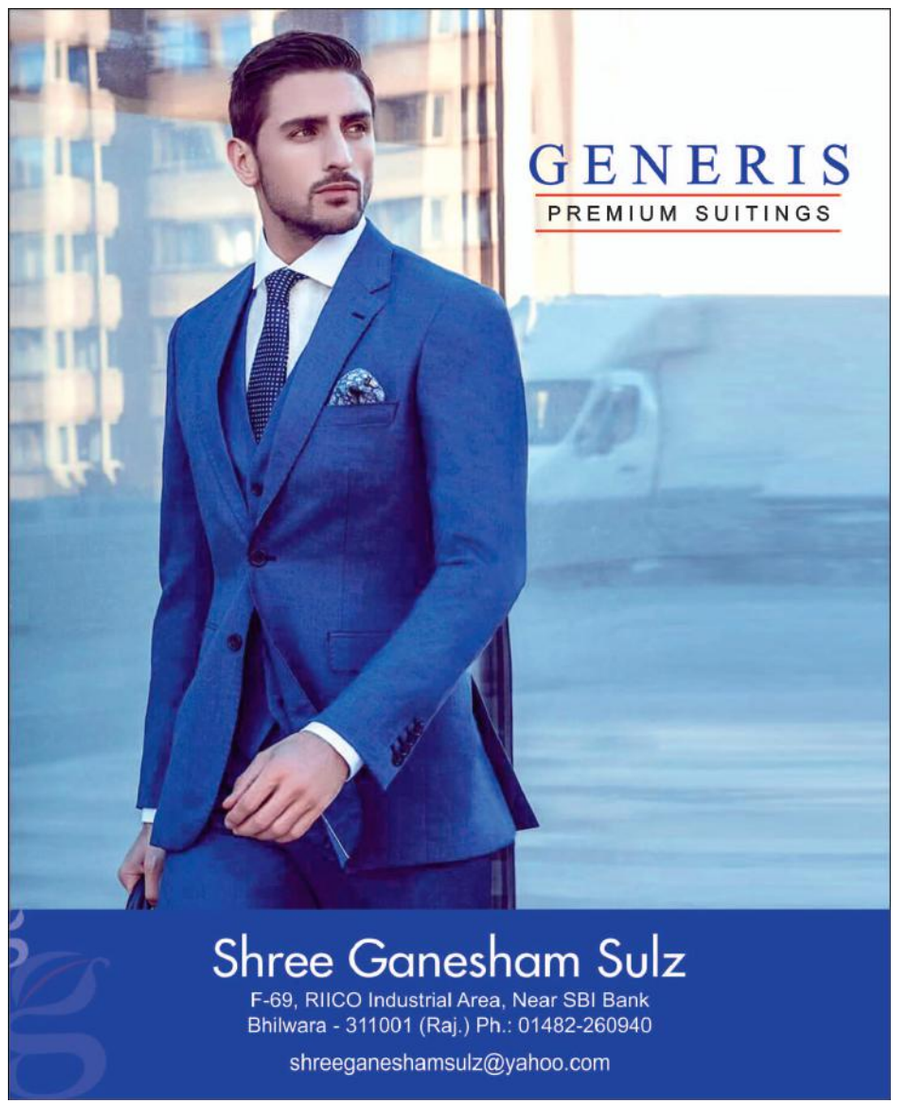

राखी पर व्यापार रहा सीमित दायरे में...

आगामी सीजन पर टिकी नजर

अहमदाबाद/ सावंलाराम चौधरी

पिछले काफी समय से पूरा भारत ही नहीं बल्कि पूरा विश्व कोरोना से परेशान है। सब कुछ ऐसे थम गया है जैसे बर्फ जमा हुआ हो, मगर अब धीरे-धीरे सब लोग कोरोना के घेरे से बाहर निकलने लगे हैं। काफी समय के बाद राखी के त्यौहार से पहले व बाद में खुदरा बाजार में सभी प्रकार का काम का अच्छा हुआ है। कपड़े में रेडीमेड, अनस्टिच, कुर्ती, जींस, टी-शर्ट, लेडीस, जेंट्स, किड्स आदि सब वेरायटी में अच्छी चहल पहल देखी गई है, इससे खुदरा व्यापारी उत्साहित हैं। आगे भी त्यौहारी सीजन दीपावली तक है, उसके कारण बाजार में भी रौनक लौटने लगी है। अभी तक ग्रामीण क्षेत्र में ग्राहकी का इंतजार है।

भारत ही नहीं बल्कि पूरा विश्व कोरोना से परेशान

काफी समय के बाद रक्षाबंधन पर बाजारों में व रास्तों पर लोगों की भीड़ देखी गई, जिससे ऐसा लग रहा है कि अब आम जनता ने कोरोना के साथ जीना सीख लिया है। अभी तक पूरे विश्व में किसी देश ने कोरोना की सफल वेक्सीन का दावा नहीं किया है, मगर साल के अंत तक इसकी दवाई आने की पूरी संभावना है। बाजार में पैसों की तंगी बराबर बनी हुई है। अब ग्राहकी में थोड़ी चहल-पहल चालू हो गई है। बरसात में देरी होने से व्यापारी चिंतित हैं मगर मौसम विभाग द्वारा अगले 10 दिनों में पूरे भारत में अच्छी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है। अच्छी बरसात होने पर ही कृषि व कपड़ा व्यवसाय अच्छा चल सकता है।मोदी सरकार द्वारा 5 अगस्त को राम मंदिर का शुभारंभ करने से भी कई वर्षों से रुका हुआ राजनीतिक मुद्दा पटरी पर आता नजर आ रहा है। राम मंदिर की खुशी भारत ही अपितु नहीं पूरे विश्व में देखी जाएगी। आने वाले 3 से 4 साल में राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। यह भारत के लिए बड़ा ही ऐतिहासिक मौका है, जिसमें हिंदू ही नहीं बल्कि मुस्लिम व सभी धर्मों के लोग खुश हैं।

यहां के थोक बाजार के काफी मार्केटों में भाड़े काफी हद तक कम हो गए हैं, जिससे व्यापारियों को राहत हुई है। पुराने मार्केट जिसमें रेवड़ी बाजार, पांच कुआं, कोटनी, साकर बाजार, मस्कती मार्केट आदि बाजारों में 50 से 75 तक प्रतिशत भाड़ों में कमी आई है। अब नया बाजार न्यू क्लॉथ मार्केट व सफल के आसपास ही सेटल होता नजर आ रहा है। उधर रेडीमेड बाजार घी कांटा में भी ग्राहकी का अभाव है। सबसे ज्यादा जींस और शर्ट बनाने वाले थोक व्यापारी कोरोना से प्रभावित हुए हैं। रेडीमेड बाजार में सबसे कम ग्राहकी चल रही है। रेडीमेड में ज्यादा उधारी का समय होने से व पेमेंट समय पर नहीं आने से व्यापारी नया माल बनाने व पार्टियों को भेजने में कम ध्यान दे रहे हैं।

कोरोना व लोकडाउन के बाद जैसे ही यहां के प्रोसेस हाउस चालू हुए हैं, वैसे ही अच्छी रफ्तार से कम चल रहा है। सभी प्रॉसेस हाउसों में अच्छा माल भरा हुआ है। उधर सूरत में कोरोना का प्रभाव ज्यादा होने से उधर का डाइंग व प्रिंटिंग का काम अब अहमदाबाद में होता नजर आ रहा है। आगे गणपति, नवरात्रि, दशहरा व दीपावली के अच्छे व बड़े त्यौहार आ रहे हैं, जिसकी तैयारी व्यापारी पूरे जोश से कर रहे हैं। अब अच्छी बारिश होने के बाद गुजरात ही नहीं, पूरे भारत में कपड़े की अच्छी मांग बढ़ने की आशा है।

ईद और रक्षाबंधन की रौनक बढ़ी

उदयपुर/ नवीन कोठारी

काफी समय के से वीरान दिखने वाले स्थानीय वस्त्र बाजार में ईद और रक्षाबंधन की वजह से रौनक बढ़ गई। कोरोना महामारी से कई समय तक तो लॉकडाउन और कर्फ्यू से बाजार पूर्ण बंद थे, उसके पश्चात् जब बाजार खुले तो भी ग्राहक नदारद थे। हालांकि वस्त्र व्यापारी भी प्रशासन की गाइडलाईन को फोलो करने हुए प्रतिष्ठान खोल रहे थे तथा दिनभर ग्राहकों को इन्तजार में बैठते भी, किन्तु इक्का-दुक्का ग्राहकों से बाजार में उठान नहीं था। व्यापारी बाजार से माल मंगवाने में भी कतरा रहे हैं, और जो स्टॉक उनके पास है, उसी को निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

त्यौहारों के मद्देनजर कुछ व्यापारियों ने माल मंगवाया भी है, किन्तु अधिकांश व्यापारियों ने नए माल का ऑर्डर अभी कुछ दिनों के लिये स्थगित रखा है।

ईद और रक्षाबंधन दोनों पास-पास होने से दोनों ही समुदाय के ग्राहक बाजार में नजर आने लगे हैं। इतने दिनों के बाद बाजार की रौनक बढ़ने में वस्त्र व्यवसायी भी प्रसन्न चित दिखाई देने लगे। सभी प्रकार के वस्त्रों की बिक्री में इजाफा देखा जा रहा है। वस्त्र बाजार में रौनक बढ़ गई, मगर अच्छी बात ये देखने को मिल रही है कि मुंह पर मास्क और सोशल डिस्टेन्सिंग का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। करीब-करीब सभी वस्त्र प्रतिष्ठानों पर हेण्ड सेनेटराइजर का उपयोग भी हो रहा है।

जानकारों की मानें तो अब इसी माह में छोटे-मोटे पर्व व त्यौहार ओर आने के कारण वस्त्र बाजार में उठाव देखा जा सकता है। मानसून की मेहरबानी अभी शहर में नहीं होने से चिपचिपाने वाली गर्मी से लोग परेशान हैं, अतः वस्त्र व्यापारियों ने कहीं-कहीं शीतल जल का प्रबन्ध भी किया हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दो-चार दिनों में अच्छी बरसात शुरू हो जाएगी, उसके पश्चात् कुछ दिनों वस्त्र बाजार में ग्राहकी मंदी रहेगी।

मार्केट सुधरने में अभी वक्त है -श्री त्रिवेदी

मुम्बई/ कोरोना महामारी के चलते भारत ही नहीं अपितु पूरा विश्व प्रभावित हो रहा है। इस समय पूरे भारत में कोरोना का संक्रमण निरन्तर बढ़ता जा रहा है। जो व्यक्ति जितना संयम और सावधानी बरतेगा, वह उतना ही सुरक्षित रह पायेगा। यही कहना है गंगौत्री टेक्सटाइल मिल्स के डायरेक्टर श्री अजय त्रिवेदी और श्री राजू त्रिवेदी का। उन्होंने बताया कि लगभग 3 माह बाद भी मार्केट की स्थिति में सुधार नहीं है।

यूनिफॉर्म सेक्टर में अपनी अलग पहचान बनाने वाली यह कम्पनी गारटेण्ड यूनिफॉर्म फैब्रिक के लिए जानी जाती है। उनके अनुसार इस कोरोना काल में अनलॉक 1-2 के दौरान यूनिफॉर्म सेक्टर में थोड़ी पूछ परख हुई थी लेकिन जो उम्मीद लगाई जा रही थी, उससे काफी कम बुकिंग मिली। नया प्रोडक्शन लेने में भी काफी दिक्कत महसूस हुई है। व्यापारी वर्ग इस समय काफी परेशानियों से जूझ रहा है। मार्केट में पेमेण्ट की समस्या काफी आ रही है।

श्री त्रिवेदी ने आगे बताया कि इस महामारी के कारण टेक्सटाइल व्यवसाय टूट चुका है। इससे उबरने में कम से कम 2 साल लग जाएंगे क्योंकि जब तक इस बीमारी की कोई वेक्सीन नहीं बन जाती, इसका कोई समाधान नहीं है। इसमें दिसम्बर बाद यदि परिस्थिति में सुधार आता है तो स्कूल खुलने की स्थिति पर भी निर्भर करेगा। आगामी सीजन में इन सब स्थितियों पर विचार करना आवश्यक होगा।

श्री त्रिवेदी ने यह भी कहा कि इस कोरोना काल में हम सभी के साथ मजदूर वर्ग को भी काफी नुकसान हुआ है। मजदूरों की थोड़ी बहुत भरपाई तो व्यापारीयों द्वारा की गई परन्तु व्यापारियों की कोई भरपाई नहीं हो पाई। मजदूर वर्ग को तो व्यापारियों ने थोड़ी बहुत मजदूरी देकर उनकी भरपाई की है, फिर भी काफी मजदूर पलायन कर चुके हैं और अब वापसी की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। ऐसे में व्यापारी वर्ग को हर तरफ से नुकसान ही हो रहा है।

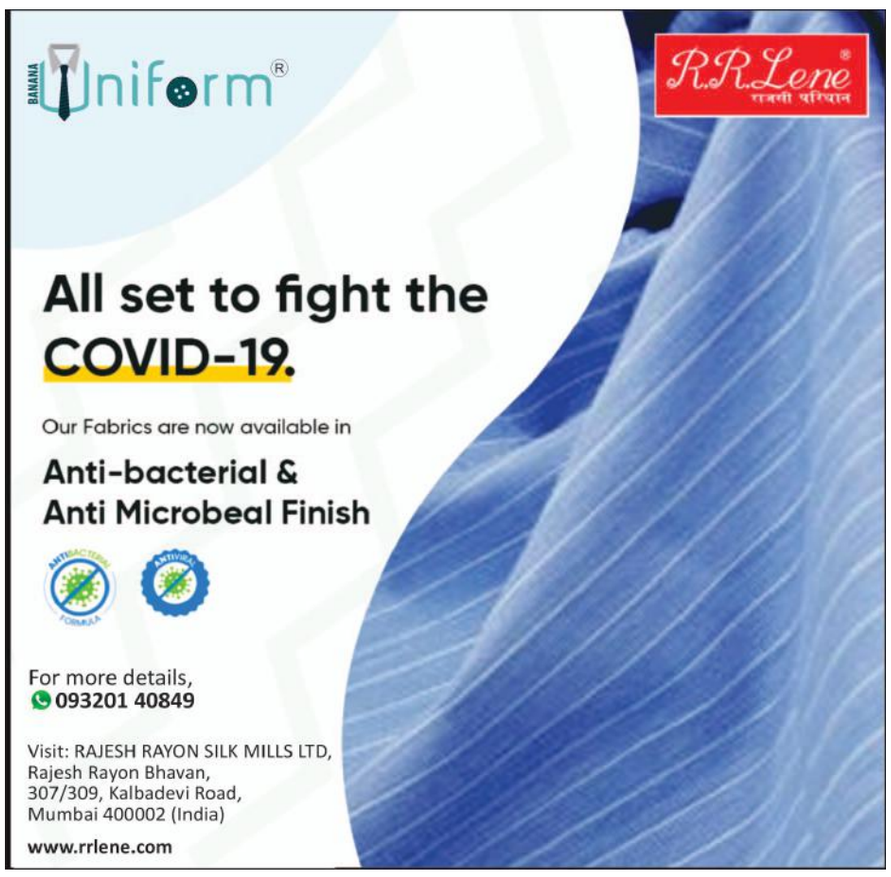

Levi's ने तैयार की ऑर्गेनिक कॉटन व सर्कुलोज से जीन्स

नई दिल्ली/राजेश शर्मा

विश्व की प्रमुख जीन्स निर्माता कम्पनी लिवाईस ने आर्गेनिक कॉटन और सर्कुलोज से एक ऐसी जीन तैयार की है, जो अधिक टिकाऊ है। सर्कुलोज पुरानी जीन्स, परिधानों से तैयार किया जाता है। इससे डेनिम निर्माताओं की प्राकृतिक रेशे यानि कॉटन पर निर्भरता कम होगी और पर्यावरण को भी लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि लिवाईस विश्व के अग्रणी ब्रांडों में से एक है और डेनिम जीन्स बनाने वालों में जाना माना नाम है। इस सर्कुलर जीन्स को लगभग 5 वर्ष की रिसर्च के बाद तैयार किया गया है। ये जीन्स पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए तैयार की जा रही है और कम्पनी द्वारा जारी अब तक की सबसे स्थाई डेनिम जीन्स होने का दावा किया जा रहा है। इस जीन्स में जहां 20 प्रतिशत रिसाईकिल्ड डेनिम है, वहीं 20 प्रतिश विस्कोस और शेष 60 प्रतिशत आर्गेनिक कॉटन है। इस डेनिम के उत्पादन में पानी और केमिकल का प्रयोग कम हुआ है। यही नहीं, इस डेनिम जीन्स को इस प्रकार तैयार किया गया है कि इसे रिसाईकिल्ड करके फिर से जीन्स तैयार की जा सके। इस प्रकार इससे न केवल पानी और केमिकल्स का प्रयोग कम होगा अपितु कॉटन की लागत में भी कमी आएगी।

कम्पनी के अनुसार यह प्रयास किया गया है कि सस्टेनेबल जीन्स में प्रयोग किए गए दूसरे आईटमों को भी दोबारा इस्तेमाल हो सके। पानी और केमिकल के प्रयोग में कमी से पर्यावरण को लाभ होगा। कम्पनी का दावा है कि इन डेनिम जीन्स को इस प्रकार तैयार किया गया है कि इनकी क्वालिटी में भी कोई कमी न आए। कम्पनी इसके लिए रिन्यूसेल से सहयोग ले रही है। वास्तव में रिसाइक्लिंग से परिधान कूड़े में नहीं जाएंगे और प्राकृतिक संसाधनों का कम से कम प्रयोग होगा। कम्पनी का कहना है कि परम्परागत कॉटन को रिसाईक्लिंग करने से रेशा टूट जाता था, लेकिन नई जीन्स में इस प्रकार की तकनीक इस्तेमाल की जा रही है कि इसकी क्वालिटी उच्च स्तर पर बनी रहे तथा उच्च क्वालिटी का फाईबर यानि रेशा प्रयोग करने से यह अधिक समय तक टिकाऊ रहे। उल्लेखनीय है कि सर्कुलोज का निर्माण स्वीडिश कम्पनी रिन्यूसेल ने किया है जो एक स्टार्टअप कम्पनी है। उसने एक तकनीक का प्रयोग किया है, जिससे फटने के बाद प्रत्येक डेनिम जीन्स को रिसाइक्लिंग करके फाईबर तैयार किया जा सके तथा डेनिम उद्योग की कॉटन पर निर्भरता कम हो। कम्पनी के एक अधिकारी का बताते हैं कि वास्तव में वे काफी समय से इस चुनौती से जूझ रहे थे और प्रयास कर रहे थे कि एक रिसाईक्लिंग से एक ऐसी डेनिम जीन तैयार की जाए, जिसे उपभोक्ता खरीदें और पहनें। सर्कुलोज का उत्पादन करने वाली कम्पनी रिन्यूसेल पुराने कॉटन टेक्सटाईल, पुरानी डेनिम आदि को प्रोसेस करके पानी के प्रयोग से बेकार फाईबर को तोड़ती है उससे किसी प्रकार के रंग और सिंथेटिक फाईबर को अलग करती है। इस प्रकार से तैयार घोल को सुखाकर सर्कुलोज शीट तैयार की जाती है, जिसे बाद में विस्कोस फाईबर में तब्दील किया जाता है। बाद में इसमें और कॉटन का मिलाकर नया फैब्रिक तैयार किया जाता है। लिवाईस द्वारा सर्कुलोज से तैयार डेनिम जीन का रेट लगभग 148 डॉलर है और ये कम्पनी के विश्व भर मे फैले स्टोरों के अतिरिक्त लिवाईस एप्प तथा कम्पनी की वेबसाईट पर भी उपलब्ध है।

काफी समय लगेगा वस्त्र उद्योग को सामान्य होने में

नए सिरे से करना होगा व्यापार

माधवनगर/ सत्यनारायण दायमा

इस महामारी में जितना नुकसान कपड़ा व्यापार को हुआ है, उतना शायद ही किसी व्यापार को हुआ होगा। फरवरी से पूरा वस्त्र उद्योग डगमगाया हुआ पड़ा है। ना किसी का कुछ आ रहा है और ना ही किसी का कुछ जा रहा है। महाराष्ट्र में ईद व राखी को देखते हुऐ कुछ कुछ जगहों पर लॉकडाउन उठा है तथा इस का असर भी देखने को मिला है। दुकानों में दोनों त्यौहारों की खरीदी की भीड़ देखने को मिली है। आवागमन की हालत ज्यों की त्यों बरकरार है, जिस से सभी को परेशानी झेलनी पड़ रही है। जब तक रेल यातायात सुचारू रूप से शुरू नहीं होगा तब तक यह इसी तरह चलता रहेगा, अतः रेलों का आवागमन चालू होना जरूरी है। दुकानो में विशेषकर रिटेलर दुकानों में सोशल डिस्टेन्स के साथ अच्छी ग्राहकी देखने को मिली है लेकिन यह ग्राहकी सीमित ही है और फिर वही हाल होना निश्चित है। दिसावरों से ग्राहकी का नामोनिशान तक नहीं है। केवल ब्रान्डेड आयटमों में छिटपुट पूछपरख दिखाई देती है।

वस्त्र व्यवसाय को पटरी पर आने में अभी काफी समय लग सकता है। एक नये सिरे से वापस इसकी शुरूआत होना निश्चित है। बाढ़ की स्थिति भी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। सभी का पेमेन्ट फंसा पड़ा है। चारों तरफ पानी ही पानी भरा पड़ा है व आवागमन पूरी तरह से ठप्प है।

उत्पादन में नए विस्तार से उद्योग उन्नति की ओर अग्रसर

बालोतरा/ लालचन्द पुनित

स्टिचिंग गारमेंट में कुर्ती, गाउन, सलवार सूट सदृश कई उत्पादों का निर्माण गति के साथ बढ़ना औद्योगिक समृद्धि का ही सूचक है

इच्छाशक्ति की प्रगाढ़ता जीवंत रहे, तो विकट विषमताओं के मध्य रास्ता बनाना कोई दुष्कर बात नहीं है। समस्याओं के सटीक निरूपण में समाधान का झरना स्वतः प्रस्फुटित हो ही पड़ेगा। वर्तमान में विद्यमान परिस्थितियां कोरोना की भयावहता के कारण आशंका व अस्थिरता संबद्ध होने से सभी को परिणाम असफलता जनक प्रतीत होते हैं। इसके बाद भी जब उद्यमी एक निश्चित लक्ष्य को लेकर बढ़ने की हिम्मत जुटा लेता है तो उसके समक्ष स्वपनों का संसार शनैः शनैः मूर्त रूप लेने लग जाता है। कोराना के वातावरण से उत्पन्न आर्थिक कठिनाइयों ने निश्चित रूप से उत्पादकों को हतोत्साहित किया, तथापि विश्वास के धागे में गुणवत्ता के मोतियों की आभा ने सुंदर भविष्य के प्रति आशान्वित किया।

प्रबुद्ध एवं प्रमुख उद्यमियों और से संपर्क किया तो उनका निष्कर्ष सुनहरे भविष्य का दृश्य लगा। उनके अनुसार औद्योगिक जगत में कई दुविधाएं अनायास ही उपस्थित हो जाती है और जो उद्यमी विवेकसम्मत निर्णय के साथ बिना विचलित हुए अपने ध्येय की और गतिशील रहते हैं, सफलता उनके चरण चूमने में पीछे नहीं रहती। उद्यमियों ने बेहिचक बताया कि इस क्षेत्र में रंगाई छपाई उद्योग का भविष्य तप कर निखरा है। वह समय दूर नहीं जब कतिपय उत्पादों की श्रंखला ख्याति प्राप्त करेगी, जिसके बारे में आज केवल सामान्य पद चाप की ध्वनि ही सुनाई पड़ रही है।

गारमेंट के क्षेत्र में जब से प्रवेश किया है, उसे भले ही प्राथमिक स्तर पर रखा जाए किंतु वर्तमान में जिन क्षेत्रों में झंडे गाड़े जा रहे हैं, वह इतने सशक्त प्रतीत हो रहे हैं कि उनकी स्थाई छाप अविच्छिन्न रूप से विद्यमान रहेगी। गारमेंट में प्रयुक्त कपड़े की शान में भी निरंतर चार चांद लग रहे हैं। नाइटी व नाइटी क्लॉथ ने तो यहां के उद्योगों में एक नया जीवन ही भर दिया है। इस ऑक्सीजन से कहीं उद्योग जो बिछड़ते नजर आ रहे थे, वह भी कुसुम लताओं सदृश खिल कर मुस्कुराहट का तोहफा देने को उद्यत हैं। भुगतान संकट का भूत भी भाग गया है। बहुत कुछ सरकारी नियमों के अनुरूप सहयोग बैंकों ने किया, वहीं ग्राहकों ने भी एक कदम आगे बढ़कर पुराने पेमेंट के साथ केश पेमेंट के नए धारे में अपने आप को ढाल कर उद्योग को सशक्त बनाने में अहम भूमिका अदा की। मांग की अधिकता व माल की सभी से एडवांस पेमेंट का प्रचलन भी इन दिनों जोर-शोर पर है।

गारमेंट में पेटीकोट का विस्तार सभी दृष्टियों से बढ़ा है। पेटिकोट कभी एक प्रकार का बनता था, किंतु हाल में विभिन्न प्रकार के पेटीकोट के निर्माण की स्टाइल ने गजब का अवसर ला दिया है। पेटीकोट निर्माताओं की लंबी लाइन लग गई है। इतना ही नहीं, सिलाई हेतु नित नई सिलाई मशीनें आ रही है। भरपूर उत्पादन लेने को उत्पादक आतुर हैं, फिर भी तैयार माल की कमी के स्वर के रुकने का नाम नहीं है। स्टिचिंग गारमेंट में कुर्ती, गाउन, सलवार सूट सदृश कई उत्पादों का निर्माण गति के साथ बढ़ना औद्योगिक समृद्धि का ही सूचक है।

पोपलीन के बाद बढ़ते गारमेण्ट के दायरे ने उत्पादन की कई मण्डियों को जोड़ने का काम किया है। प्रिण्टेड क्लॉथ सभी दृष्टिकोणों से बाजार में यहाँ का प्राथमिकता से पसंद किया जाता रहा है। आज भी इस क्षेत्र का ये माल रंग, फिनिश, फील के साथ देशभर में प्रचलित है। प्रिण्ट कभी सीमित रहा होगा मगर अब पिगमेण्ट प्रिण्ट, टाई डाई आदि अनेक प्रकार से सक्रिय है। केम्ब्रिक प्रिण्ट, रेयॉन प्रिण्ट के प्रारम्भ होने से नई दिशा का सूत्रपात हो गया है। रेयॉन प्रिण्ट/ डाईड ने जो चमत्कार दिखाया है, उसकी उम्मीद कभी किसी उद्यमी को नहीं थी। रेयॉन की ग्राहकी के बारे में क्या लिखूं, लेने वालों की कतार समाप्त ही नहीं हो रही है। भावों की कोई चिकचिकाहट नहीं, माल की दरकार प्रबल है। ये रोशनी का नया प्रकाश स्तम्भ बन उभर रहा है।

जब भी बालोतरा जसोल के वस्त्र रंगाई-छपाई का गहन चिन्तन, अध्ययन, अनुसंधान किया जाय तो आगे के क्षेत्रीय औद्योगिक भविष्य का अनुमान सहज ही में लगाया जा सकता है। कोरोना काल के काले बादलों की छंटनी करके परिपेक्ष में यह निश्चित लगता है कि स्थानीय उद्योग में बूस्टिंग का क्रम जो चल रहा है और उससे जो आधार निर्मित हो रहा है, उसके परिणाम स्वरूप नये युग का सृजन निश्चित है।

घबराहट और भ्रम में जीने वाले भले ही स्थानीय उद्योग के बारे में कुछ भी विचार रखें, किन्तु वास्तविकता के सन्दर्भ में यह स्पष्ट है कि यहाँ का रंगाई-छपाई उद्योग विस्तार की चरम सीमा को चूमने में सक्षम बनेगा। स्थानीय कतिपय प्रतिष्ठानों की जो साख वृद्धि हुई है, उनके नाम और ब्राण्ड का जो क्रेज बना है, वह बहुत कुछ कहता है। पिछले चन्द नामचीन संस्थान ही थी, किन्तु अब तो नई अनेक औद्योगिक युनिटों ने जो कार्य कर अमिट छाप अंकित की है, उससे सहज ही में भविष्य औद्योगिक परिदृष्य के आकलन को अनुभूत किया जा सकता है। समय आने पर सभी कुछ सामने आ जायेगा।

फैबेक्सा वर्चुअल एक्सपो

100 देशों के 50 लाख लोगों के मध्य प्रचार

अहमदाबाद/ सत्यप्रकाश

वस्त्र बाजार में फैली भयानक मंदी को दूर करने के लिए मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन द्वारा देश के प्रथम वर्चुअल एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। 24 अगस्त से आरम्भ होने वाला यह एक्सपो 90 दिन चलेगी, जिसका 100 देशों के 50 लाख लोगों के मध्य इसका प्रचार प्रसार होगा। इतना ही नहीं, साढ़े चार लाख लोगों को इसका ऑनलाइन निमंत्रण भेजा जाएगा, जिसमें अहमदाबाद के वस्त्र व्यापारियों द्वारा निर्मित फैब्रिक्स व डिजाइनों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

कपड़ा बाजार के प्रमुख के कथनानुसार इस एक्सपो की कई विशेषताएं होगी। इससे केवल अहमदाबाद से नहीं, अपितु देश के सभी वस्त्र व्यवसायियों के संगठनों को इससे जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे। भारत की सभी फैब्रिक एसोसिएशन व फैब्रिकेटर्स को एसोसिएट तरीके से जोड़ने के प्रयास होंगे। इसके अतिरिक्त विश्व में कोई भी क्रेता किसी स्टॉल से सम्पर्क करना चाहे तो उसे मिलाने की ऑन लाइन व्यवस्था की जाएगी। इसमें स्टॉल बुकिंग हेतु ऑन लाइन स्वीकृति लेनी होगी, साथ ही क्रेता-विक्रेता की ऑनलाइन मीटिंग की व्यवस्था की जाएगी व डिजिटल विजिटिंग कार्ड की भी व्यवस्था रहेगी। अहमदाबाद के कॉटन के साथ-साथ सभी प्रकार के फैब्रिक मटेरियल, उनकी विभिन्न डिजाइनें और विभिन्न प्रकार के मटीरियल्स का प्रदर्शन भी विश्व के सभी व्यापारियों के समक्ष किया जाएगा।

देश का प्रथम वर्चुअल एक्सपो 90 दिन तक लगातार चलेगा

अहमदाबाद के निर्माताओं के लिए फैबेक्सा वर्चुअल एक्सपो-2020 वरदान साबित होगा

श्री गोरांग भगत

मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन के अध्यक्ष श्री गोरांग भगत ने बताया कि अभी वस्त्र बाजार में मंदी का दौर चल रहा है, ऐसे में यह एक्सपो व्यापारियों के लिए वरदान साबित होगा, क्योंकि इसके जरिये निर्माता अपने समस्त उत्पादों को संसार के व्यापारियों के समक्ष स्क्रीन पर प्रदर्शित कर सकेंगे और उसी आधार पर उन्हें बड़े ऑर्डर मिल सकेंगे। इससे विश्व के सभी व्यापारियों को अहमदाबाद के उत्पादों की जानकारी भी मिल जाएगी।

एक्सपो में 100 एक्जिबिटर्स भाग लेंगे

श्री बाबूलाल सोनीगरा (कन्वीनर एक्सपो) ने इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए बताया कि अब तक जितनी प्रदर्शनियों के आयोजन किए गए, उनमें व्यापारियों को बड़े ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। इसी कारण इस एक्सपो में बड़ी मात्रा में बुकिंग की संभावना है। फैबेक्सा वर्चुअल एक्सपो में 100 से अधिक एक्जीबिटर्स भाग ले रहे हैं।

श्री बाबूलाल सोनीगरा

श्री नरेश शर्मा

बड़े ऑर्डर मिलने से प्रोसेस हाउसों को मिलेगा काम

प्रोसेस हाउस सगंठन के प्रमुख श्री नरेश शर्मा ने कहा कि देश अथवा पूरे विश्व के बाजारों में अहमदाबाद में निर्मित कपड़े की अच्छी मांग रहती है। मैन्स एण्ड वूमन्स गारमेण्ट्स के लिये यहाँ पर बड़ी मात्रा में फैब्रिक्स उत्पादित किया जाता है। जिसके चलते इस एक्सपो में स्थानीय निर्माताओं को अच्छे ऑर्डर मिलने की संभावना है। जिससे प्रोसेस हाउसों में भी काम बढ़ेगा और हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा व अर्थतंत्र मजबूत होगा।

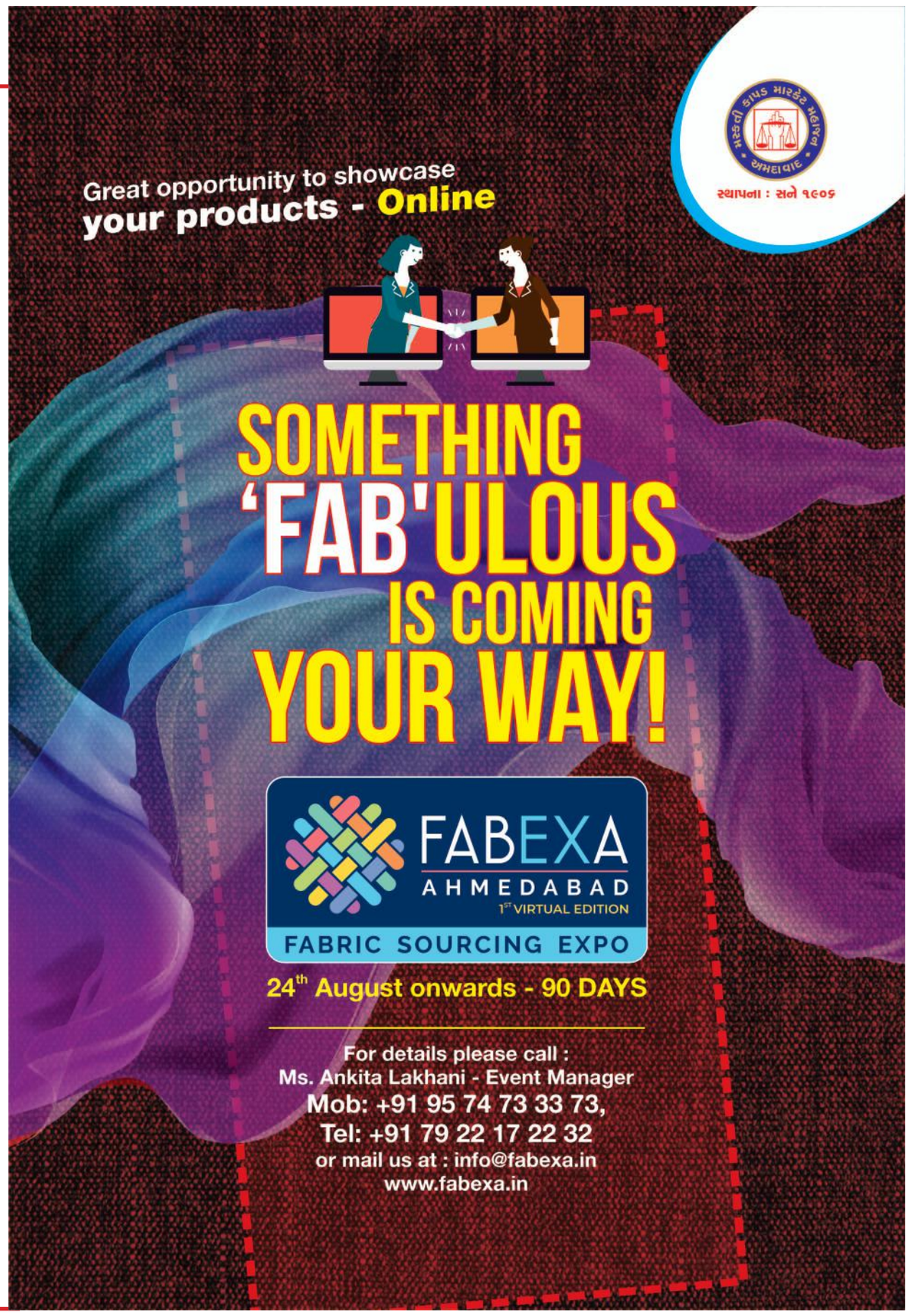

सदस्यता फॉर्म

टेक्सटाइल वर्ल्ड

SINCE 1998

मान्यवर,

आपको यह जानकारी देते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि टेक्सटाइल उद्योग जगत का एक मात्र सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' आज दिल्ली, अमृतसर, लुधियाना, रोहतक, मुम्बई, भिवण्डी, नागपुर, अमरावती, पूना, इचलकरंजी, सोलापुर, सूरत, अहमदाबाद, गोरखपुर, आगरा, कोलकाता, ग्वालियर, रायपुर, उज्जैन, इन्दौर, रांची, हैदराबाद, सिकंदराबाद, कोयम्बटूर,बुरहानपुर, बंगलुरू, चैन्नई, सेलम, मालेगांव, इरोड़, बरेली, मुरादाबाद, भीलवाड़ा, जोधपुर, बालोतरा, पाली, जयपुर, उदयपुर सहित पूरे देश में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सम्पूर्ण टेक्सटाइल क्षेत्र में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार है और यह सब आप जैसे जागरूक पाठकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है।

आपके लिए 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' किस प्रकार उपयोगी है:- क्योंकि यह एक अखबार ही नहीं अपितु एक महत्त्वपूर्ण सूचना प्रदायक दस्तावेज है जिसमें पूरे देश की वस्त्र मण्डियों के समाचारों के साथ-साथ फाइबर से लेकर फैब्रिक, मशीनरी, केमिकल आदि के संबंध में केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी महत्त्वपूर्ण नीतियों का समावेश होता है। यह आप के व्यापार की श्रीसमृद्धि में निश्चित रूप से अभिवृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगा।

हाँ, मैं 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' समाचार पत्र की सदस्यता प्राप्त करना चाहता हूँ:-

☐ एक वर्ष ☐ तीन वर्ष ☐ पांच वर्ष

नाम एवं पद .....

कम्पनी/फर्म का नाम : .....

पता : .....

.....पिन कोड नं. .....

मोबाइल नं.....फोन नं.....

कैटेगरी

☐ निर्माता ☐ प्रोसेसर ☐ स्पिनर ☐ निर्यातक ☐ आयातक
☐ एजेण्ट ☐ डीलर ☐ होलसेलर ☐ रिटेलर ☐ डिजाइनर
☐ कंसल्टेंट ☐ इंस्टीट्यूट ☐ अन्य .....

डीलिंग

☐ सूटिंग ☐ शर्टिंग ☐ साड़ी ☐ ड्रेस मटीरियल ☐ रेडिमेड गारमेण्ट
☐ होजयरी ☐ मशीनरी ☐ केमिकल ☐ यार्न ☐ पैकेजिंग मटीरियल
☐ होम फर्निशिंग ☐ अन्य .....

सदस्यता हेतु चैक/ड्राफ्ट नं. ..... दिनांक ..... रु. ..... 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' के नाम से प्रेषित है।

विशेष- यदि आप पत्रकार के रूप में आपके यहां के टेक्सटाइल मार्केट की न्यूज भी हमें भेजना चाहते हैं तो कृपया 08387844798 पर सम्पर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करालें।

टेक्सटाइल वर्ल्ड
सी-127, आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा-311 001 (राज.) फोन नं. : 01482-237165, 229844
ई-मेल: textileworldtw@gmail.com वेब साइट : www.textileworld.org

कोविड का असर....

रेमंड के खर्च में 35 प्रतिशत कमी की योजना

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

देश की एक प्रमुख वूलन फैब्रिक और रेडीमेड गारमेंट निर्माता कम्पनी रेमंड पर कोविड का असर पड़ने लगा है और कम्पनी ने अपने खर्च कम करने के लिए नौकरी में कटौती करनी आरंभ कर दी है।

उल्लेखनीय है कि रेमंड देश की प्रमुख फैब्रिक निर्माता कम्पनी है और इसका स्थान विश्व के सबसे बड़े वर्स्टेड वूल फैब्रिक निर्माताओं में आता है। कम्पनी के चेयरमैन श्री गौतम हरि सिंघानिया ने विगत दिनों एक न्यूज एजेंसी को बताया कि नौकरियों, किराए तथा मार्केटिंग लागत आदि में कमी करके उनकी योजना एक अप्रैल से आरंभ हुए वित्त वर्ष के दौरान खर्च में 35 प्रतिशत की कमी करने की है।

श्री सिंघानिया के अनुसार रेमंड इस समय रि-सेटिंग कर रहा है और इस परेशानी के समय में और मजबूत होकर खड़े होंगे। उनके अनुसार ऑन लाईन कारोबार के बाद विश्व भर में परिधानों की मांग प्रभावित हुई है और इसने लगभग दो सदी पुरानी कम्पनी ब्रूक ब्रादर्स को दिवालिया करवा दिया। उल्लेखनीय है कि रेमंड देश की लगभग एक सदी पुरानी सबसे बड़ी वूलन फैब्रिक निर्माता कम्पनी है। इसकी स्थापना मुंबई के पास एक छोटी सी वूल मिल के तौर पर हुई थी। आज रेमंड विश्व के कुछ सबसे बड़े वूलन फैब्रिक निर्माताओं में मानी जाती है तथा रेडीमेड गारमेंट में भी एक जाना माना नाम बन चुका है। श्री सिंघानिया का यह भी कहना है कि मंदी के कारण रेमंड जैसे मजबूत ब्रांड को हमेशा फायदा होता है। ब्रूक ब्रादर्स तो केवल फॉर्मल परिधान के कारोबार में थे, लेकिन हम अनेक प्रकार के परिधानों के कारोबार में हैं। अतः उनके लिए चिंता की कोई खास बात नहीं है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान रेमंड की बिक्री में लगभग 29 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। इसे देखते हुए रेमंड ने अपने विस्तार कार्यक्रमों को रोक दिया और पूंजीगत खर्च जैसे नए स्टोरों का खोलना, टैक्नोलनोजी अपग्रेडशन आदि बंद कर दिए।

उल्लेखनीय है कि कोविड-19 महामारी को रोकने के लिए सरकार ने 25 मार्च से देश भर में लॉक डाऊन आरंभ किया था। पहले यह लॉक डाऊन केवल 21 दिनों के लिए था, लेकिन बाद में इसे मई तक बढ़ा दिया था। इससे देश भर में सभी प्रकार की गतिविधियां ठप्प हो गई थी और अर्थव्यवस्था ठहर सी गई थी। हालांकि अब अन-लॉकिंग पक्रिया का तीसरा चरण आरंभ हो चुका है, लेकिन हालात सामान्य होने में अभी समय लगेगा।

गत 2 जुलाई तक रेमंड ने देश भर में फैले अपने 1,638 स्टोरों में से 1,332 स्टोरों को खोल दिया था। इस समय रेमंड ने अपनी बंगलुरु फैक्टरी में पीपीई किट्स बनाने का कार्य आरंभ कर दिया है।

लेडीज बॉटम वीयर में नया ब्राण्ड वन्डर वूमेन

बॉटम वीयर, प्लाजो एवं पेंट की विस्तृत रेंज

Contact us
+91 96021 87000

Wonder Women™
STRETCHY COTTON PANTS

भीलवाड़ा

स्थानीय वस्त्र मण्डी में पोपलीन, फैन्सी रूबिया, 44'' प्रिण्ट व ड्रेस मटेरियल में अग्रणी विकास ट्रेडर्स लगभग 40 वर्षों से इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। फर्म के मालिक श्री अनिल सूर्या ने बताया कि इस कोरोना महामारी से सम्पूर्ण विश्व जूझ रहा है और हर सेक्टर पर इसका काफी प्रभाव पड़ा है, ऐसे में जो जितना सयंम रखेगा वह उतना ही आगे बढ़ेगा।

श्री सूर्या के सुपुत्र श्री विकास सूर्या एवं श्री सौरभ सूर्या ने कहा कि पोपलीन एवं रूबिया में हम अरविन्द मिल्स अहमदाबाद तथा उम्मेद मिल्स पाली का बड़े पैमाने पर कार्य करते हैं। इनकी सभी क्वालिटियां काफी अच्छी होती है।

श्री विकास सूर्या ने आगे बताया कि दिनों-दिन बढ़ती प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए हमारे द्वारा लेडिज बॉटम वीयर में ''वन्डर वूमेन'' नाम से ब्राण्ड हाल ही में लॉन्च किया गया, जिसके अन्तर्गत कॉटन स्पेंडेक्स में बॉटम वीयर का उत्पादन किया जा रहा है। इसमें लगभग 80 कलर्स का चार्ट हमारे पास तैयार है और आगे भी इस वस्त्र श्रृंखला में रेयॉन, साटिन व सिल्क फैब्रिक में एक्सक्लूसिव रेंज बाजार में पेश करने वाले हैं। इसके अतिरिक्त लेडीज वीयर में पेंट, प्लाजो की विस्तृत रेंज भी हमारे पास विद्यमान है, लेकिन बॉटम वीयर के बढ़ते प्रचलन को ध्यान में रखते हुए हमने इसे बाजार में लॉन्च किया है, जिसका हमें काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। सूर्या बन्धुओं के कुशल नेतृत्व के चलते यह ब्राण्ड दिनोंदिन आगे बढ़ता जा रहा है। इनकी मार्केटिंग स्ट्रेटेजी का ही परिणाम है कि इस ब्राण्ड को लॉन्च किए लगभग 6 माह ही हुए हैं और इसमें पर्याप्त ऑर्डर्स भी आना चालू हो चुके हैं। इस समय वे इन उत्पादों को राजस्थान में बड़े पैमाने पर सप्लाई कर रहे हैं, साथ ही और भी मण्डियों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। कोई भी इच्छुक डीलर 'वन्डर वूमेन' ब्राण्ड की डीलरशिप के लिए सम्पर्क कर सकता है।

चिनार फैब्रिक्स के Anti Viral Fabric & Anti Microbial Fabric की भारतीय कपड़ा बाजार में मांग

Be Secure Fabrics का बढ़ेगा चलन -श्री उज्ज्वल अग्रवाल

भिवानी/ भारत की भरोसेमन्द ब्राण्ड ''चिनार फैब्रिक्स'' ने हाल ही में Anti Viral Fabrics Anti Microbial Fabric लॉन्च किया जिसकी धमाकेदार बुकिंग बाजार में चल रही है। कोविड कारण जो सेल प्रभावित हुई थी, अब सेल धीरे-धीरे काफी ग्रोथ कर रही है। चिनार फैब्रिक के डायरेक्टर श्री उज्जवल अग्रवाल ने बताया कि चिनार फैब्रिक्स के कोविड महामारी को देखते हुये बाजार में Anti Viral Fabrics लॉन्च किया, जिसकी मांग बाजार में काफी बनी हुई है। श्री अग्रवाल ने कहा कि इससे पूरा विश्व एकदम कन्वर्ट हुआ है, किसी न किसी रूप में। उन्होंने कहा इस महामारी के बचाव के लिए फैब्रिक्स को भी Anti Viral Fabrics बनाया गया है। उन्होंने कहा कि चिनार फैब्रिक्स के उत्पादन विभाग ने इस तरह की फैब्रिक्स निकाल कर देशवासियों की सेहत का विशेष ख्याल रखा है। आने वाला समय भी Be Secure का चलन होगा। बाजार में इस प्रकार की फैब्रिक्स का चलन काफी रहेगा। बाजार काफी फैब्रिक्स एण्टीवायरल आये हैं। उसीको देखते हुये चिनार फैब्रिक्स ने भी अपने कपड़े में कुछ डिजाईन एण्टीवायरल फैब्रिक्स के बाजार में उतारे हैं तथा इस फैब्रिक्स के रेट भी सामान्य फैब्रिक्स की सामान ही रख गये हैं, ताकि यह कपड़ा आम उपभोक्ताओं की पकड़ में बना रहे।

कपड़े की कीमत बाजार में स्थिर रखी, इसलिए आज भी हम उपभोक्ता की पकड़ में बने हुऐ हैं। चिनार फैब्रिक्स गुणवत्ता के साथ फैशन की दुनिया में अपना विशेष स्थान बनाये हुये है, और भविष्य में चिनार फैब्रिक्स डिजाइन की दुनिया की लीडरशीप निर्धारित करने वाली कम्पनी होगी। श्री अग्रवाल ने आगे बताया कि चिनार फैब्रिक्स द्वारा निर्मित सभी सूटिंग व शर्टिंग की क्वालिटियाँ ब्राण्डेड क्वालिटी है। चिनार फैब्रिक्स में आने वाले सीजन के लिए गुणवत्तायुक्त उत्पाद किफायती दामों में आम उपभोक्त ाओं को उपलब्ध करवाने का निश्चय किया है। वस्त्र बाजार में चिनार फैब्रिक्स की क्वालिटी बहुत पसन्द आ रही है। कम्पनी नियमित रूप से न्यू डवलपमेण्ट द्वारा सर्वोत्तम उत्पाद रेंज बाजार में पेश करने में अग्रणी है और किफायती कार्य प्रणाली की हिमाकत करती है। चिनार फैब्रिक्स आने वाले विण्टर सीजन के लिए काफी कुछ नया लाञ्च करने जा रही है, इससे व्यापारियों को चिनार फैब्रिक्स की नई रेंज देखने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा कम्पनी के पैकेजिंग की बेहतरीन क्वालिटियों को भी ओर बेहतर रूप में पेश किया गया है, जो व्यापारियों को बहुत पसंद आ रहा है। उन्होंने आगे बताया कि चिनार फैब्रिक्स आगे की तैयारियों में जुट गई है। प्रॉडक्शन व मार्केटिंग विभाग अपनी-अपनी तैयारियों में जुट गये हैं। विण्टर सीजन के लिए बेहतरीन डिजाइन बाजार में उपलब्ध हो, यही हमारी प्राथमिकता है। आने वाले सीजन की तैयारियों के लिए उन्होंने कहा कि विण्टर सीजन की बुकिंग लेकर सेल करने का जो लक्ष्य है, उसी टारगेट पर कम्पनी अपना ध्यान केन्द्रित किये हुये है।

बिना बिके यार्न का स्टॉक स्पिनिंग मिलों के लिए बना सिरदर्द

मुंबई/यार्न कारोबार मंदा है। यार्न की स्थानीय और निर्यात दोनों मांगे घटी है। कहा जा रहा है कि वैश्विक मांग घटने का बड़ा असर स्पिनिंग इकाईयों पर पड़ा है। जो इकाईयों निर्यात पर अधिक जोर दे रही थी, उनका उत्पादन 40 प्रतिशत तक घटा है। कोरोना संक्रमण के इन चार महीनों में कपड़ा उद्योग की समूची चैन पर चौतरफा मार पड़ी है। स्थानीय बाजार में यार्न की मांग शिथिल हो गई, क्योंकि लूमों पर ग्रे कपड़ों का उत्पादन रूक गया था। अब कई केंद्रों पर ग्रे कपड़ों का उत्पादन धीरे-धीरे अपनी लय में आने लगा है। श्रमिकों की कमी खटक रही है, परंतु श्रमिकों का फिर से लौटना शुरू हो जाने से कारखानों में नये सिरे से उत्पादन जोर पकड़ेगा, ऐसी उम्मीद व्यक्त की गई है। अभी ग्रे कपड़ों में सिर्फ चुनिंदा वैराइटी की मांग होने से वीवर्स सतर्क हैं। साउथ की स्पिनिंग मिलों में उत्पादन हो रहा है। गुजरात की इकाइयों के पास ऑर्डर कम हैं। यहां करीब 110 स्पिनिंग मिलें हैं और लॉकडाउन से पहले इन मिलों की कुल उत्पादन क्षमता हर महीने में जितनी थी, उससे कम क्षमता पर चल रही है। इन मिलों को महाराष्ट्र और राजस्थान से ऑर्डर मिलता है। कुछ माल गुजरात में भी बिकता है। निर्यात ऑर्डर भी मिला करते थे। अब कठिनाई इस बात की है कि कहीं से भी उचित ऑर्डर नहीं हैं, इस कारण स्पिनिंग इकाईयां बहुत कम क्षमता के साथ यार्न का उत्पादन करने को विवश हैं। जानकारों का कहना है कि यही हाल लंबे समय तक चला तो इन इकाइयों के लिए कठिनाई अधिक बढ़ सकती है, कारण कि स्थानीय बाजारों में कॉटन यार्न तथा अन्य किस्म के यार्न की मांग अभी जोरदार नहीं है। वीवर्स भी कम क्षमता से उत्पादन कर रहे हैं। दूसरी सबसे अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि लॉकडाउन से पहले रुई के भाव उंचे स्तर पर थे, और इन मिलों ने ऊंचे भाव की रुई खरीद कर कॉटन यार्न का उत्पादन कर उसका स्टॉक रखा है। यह स्टॉक बड़े प्रमाण में अभी भी जस का तस पड़ा है। पुराना यार्न बिक नहीं रहा है, और नये माल का उत्पादन करना हाल मिलों को और दबाव में डाल सकता है। निर्यात बाजार कब खुलेगा, इस बारे में कोई निश्चित खबर किसी को नहीं लग रही है। स्थानीय बाजारों में यार्न की मांग इतनी कम है कि इन मिलों को यार्न का उत्पादन बनाए रखने की चुनौती अलग से है। जब तक स्थानीय मांग तथा निर्यात बाजारों की मांग में सुधार नहीं होता है, तब तक स्पिनिंग मिलों की आर्थिक एवं स्टॉक संबंधित समस्या का निदान होना संभव नहीं लग रहा है, इससे निरन्तर संकट बना हुआ है।

सम्पादकीय....

राम मंदिर हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक

अयोध्या में बहुप्रतीक्षित राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन समारोह के अवसर पर देश जिस तरह राममय और रोमांचित दिखा वह राम नाम की महिमा का प्रताप भी है और इसकी पुनः पुष्टि भी कि इस देश के रोम-रोम में राम बसते हैं। इस अवसर पर जगमग अयोध्या के माध्यम से जैसी अद्भुत सकारात्मकता का संचार हुआ और भावुक कर देने वाली जो भावभूमि निर्मित हुई उसे सहेजने के साथ ही पोषित भी किया जाना चाहिए ताकि सबके मन को मोहने और मुदित करने वाले राम के नाम का मंदिर राष्ट्र के उत्थान का प्रेरणास्थल बन सके। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने यह सही कहा कि जैसे स्वतंत्रता आंदोलन के समय देश के लोगों ने अपना सब कुछ समर्पित कर दिया था वैसे ही राम मंदिर निर्माण के लिए भी लंबा संघर्ष करना पड़ा और लाखों लोगों को बलिदान देना पड़ा। इस संघर्ष और बलिदान का लक्ष्य अयोध्या में केवल राम के नाम का मंदिर बनाना नहीं, बल्कि रामराज्य के उन मूल्यों को जीवित रखना ही था जिनसे कोटि-कोटि लोग प्रेरणा पाते हैं। राम मंदिर निर्माण का श्रीगणेश हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का उदय है और इसे इसी रूप में ग्रहण किया जाना चाहिए।

राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन समारोह के साथ ही राम की स्मृति संजोने का वह बड़ा काम हो गया जिसकी प्रतीक्षा में सदियां गुजर गईं। अब देश को भगवान राम के उन दूसरे कार्यों को पूरा करने को लेकर समर्पण भाव दिखाना चाहिए जो रामराज्य के आधार हैं। यह समर्पण ठीक वैसा ही होना चाहिए जैसा उनके जन्म स्थान पर मंदिर निर्माण के लिए दिखाया गया। भगवान राम का संपूर्ण जीवन सबको साथ लेकर चलने, सबके मान-सम्मान की चिंता करने, सबकी भलाई सुनिश्चित करने के प्रति समर्पित रहा और इसीलिए वह मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए।

इससे बेहतर और कुछ नहीं कि राम मंदिर निर्माण की प्रि या जैसे-जैसे आगे बढ़े वैसे-वैसे जन-जन में यह संदेश जाए कि राम मंदिर का निर्माण राष्ट्र के निर्माण का माध्यम है। इस लक्ष्य की पूर्ति तभी हो सकती है जब भारतीय समाज में सद्भाव और समरसता बढ़े। राम की महिमा को सुशोभित करने वाला मंदिर देश ही नहीं दुनिया के लिए इसका उदाहरण बनना चाहिए कि कैसे कोई देवालय राष्ट्रीय एकत्व और बंधुत्व की भावना को बल प्रदान करते हुए एक समरस वातावरण का निर्माण करता है। ऐसा कोई वातावरण ही रामराज्य के सपने को साकार करने में सहायक होगा। यही वातावरण भारत की संस्कृति, उसकी सामर्थ्य और साथ ही शक्ति से दुनिया को परिचित कराने का काम करेगा और राष्ट्र को उत्कर्ष के उस शिखर की ओर ले जाएगा जिसकी कल्पना भी की जाती है और परिकल्पना भी।

सारी तैयारियां हो चुकी है...
बस इंतजार है कोरोना जनित लॉकडाउन खुलने का

सोलापुर/राजेन्द्र कोचर

करोना ने ऐसी हालात कर दी है कि व्यापारी ना समझ सकता है और न समझा सकता है। ना पेमेंट आ रहा है, ना व्यापार हो रहा है। खर्चे का हिसाब तो आय से ज्यादा हो गया है। ना कारखाने पूरी तरह से खुले हैं, न प्रोडक्शन हो रहा है और ना ऑर्डर आ रहे हैं। व्यापारी जिये तो कैसे जिये? सरकार का हमें कोई साथ नहीं, मोदीजी ने कहा आत्म निर्भर बनो, हम तैयार है मगर आत्मनिर्भर बन के क्या दिखाएंगे? लॉकडाउन पे लॉकडाउन किए जा रहे हैं, ऐसे में कोई नया काम भी नहीं कर सकते। सारे त्यौहार भी फेल हो चुके हैं। व्यापारी जिए या मरे, इनको कोई मतलब नहीं टैक्स, लाइट बिल, जीएसटी, बैंक ब्याज, फैक्टरी का किराया, घर का किराया, नोकर लोगों की पगार, कामगारों का पेमेंट, घर का खर्चा, ये सारे व्यापार पर निर्भर हैं और यहां तो 5 महीने से कर्फ्यू लगा हुआ है। अब बताओं कि इसमें किस चीज पर हमको सरकार ने राहत दी है। एक ही नहीं सारे के सारे खर्चे हमको करना ही पड़ेगा, यह सत्य है। अभी तो रोज खबरें आ रही है चोरी की। फैक्ट्री में, दुकानों की,बंद घर की, रास्ते में लूटने की। अगर यही हाल रहा तो वो दिन दूर नहीं कि पैसों के लिए व्यापारी व्यापार बंद कर नौकरी की तलाश में लग जावे। समझदारी तो इसी में है कि सरकार जल्द से जल्द व्यापार को खुला करे। 2020 तो व्यापारियों के लिए बहुत बड़ा सदमा है। इस सदमें से बाहर अगर व्यापारियों को निकालना है तो लॉक डाउन पूरा खोल दे और 6 महीने तक जीएसटी, लाईट बिल, और बेंक का इंटरेस्ट को पूरी तरह माफ कर दें। यह राहत यदि व्यापारियों को राहत मिल गई तो व्यापारी फिर से अपना व्यापार संभाल लेगा और फिर से खुशहाली लौट आएगी।

व्यापारी खुद ही गिराने लगे शटर

बरेली/ राजीव अरोड़ा

कहते हैं, भय के कारण आम आदमी मुकाबला करने की क्षमता खो देता है। ऐसी ही बानगी 27 जुलाई को देखने को मिली, जहां गली आर्य समाज पर सभी व्यापारियों ने एकत्र होकर मीटिंग की और अपने संस्थान 3 अगस्त तक बंद करने का निर्णय लिया। यह जानकारी संगठन के संरक्षक श्री तरुण साहनी व अध्यक्ष श्री पवन अरोड़ा ने दी।

कटरा मानराय के व्यापारियों का कहना है कि हम केवल मास्क वाले ग्राहक को ही माल दे रहे हैं, प्रत्येक ग्राहक को सेनीटाइज कर रहे हैं, फिर भी आज की स्थिति को देखते हुए कुछ समय अपने प्रतिष्ठान बंद रखने पर विचार कर रहे हैं। इस कटरे में अधिकांश दुकानें छोटी हैं, फिर भी सामाजिक दूरी बनाए हुए हैं।

इधर सर्राफा व्यवसायियों ने भी हफ्ते में 3 दिन सोमवार बुधवार और शुक्रवार को ही अपनी दुकानें खोलने का फैसला किया है।

बार बार लॉकडाउन से नकदी का संकट बरकरार

सतना/ बलराम शुक्ला

इस समय कोरोना के कारण पूरा देश परेशान है, देशावर में लेबर का संकट है, माल आ नहीं रहा है व सप्लायर उधार माल बेचने के मूड में नहीं हैं।

उन्होंने साफ साफ अपने एजेंटों से बोला है कि लेट पार्टी को हमारा माल नहीं बेचें, जिन पार्टियों के पेमेंट एक माह के अंदर आ सके उन्हीं को हमारा माल बेचें। निर्माता भी परेशान हैं, उससे ज्यादा इस समय कमीशन एजेंट परेशान हैं। मार्च, अप्रैल, मई, महिनों मे जो कपड़ा बिकता है उनके उसके साल भर के खर्चे निकल आते हैं किन्तु इस वर्ष कोरोना के चलते व्यापार ही नहीं चला, जिससे कमीशन एजेंट परेशान हैं तथा सप्लायर भी कमीशन नहीं दे रहे हैं। उनका कहना है पहले हमारा एकाउंट मार्च तक का क्लीयर करायें, तभी हम आपका कमीशन भेजेंगे। वे अपनी जगह बिल्कुल सही हैं, किन्तु बार बार के लॉकडाउन से अधिकांश बाजार बंद रहते हैं। सप्ताह कहीं दो दिन का हो गया है, कहीं तीन दिन का। अधिकतर बाजार बंद होने से समुचित आवागमन भी नहीं हो पा रहा है, जिससे पेमेंट की आवक शून्य है व दुकान का खर्चा भी नहीं निकल रहा है। वैवाहिक, धार्मिक सभी आयोजन बंद हैं, ऐसे में कमीशन एजेंटों के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। सप्लायर लाखों रुपयों का माल एजेंट के माध्यम से व्यापारियों को उधार दे देता है किन्तु कमीशन देने में तकलीफ होती है, जबकि वह आपके व्यापार की रीढ़ की हड्डी है। कुछ सप्लायरों ने पार्ट पेमेंट दिया है किन्तु सभी सप्लायर ऐसे नहीं हैं। कुछ तो कमीशन देना ही नहीं चाहते हैं व कमीशन के नाम पर सिर्फ डेविट नोट देते हैं। आने वाले समय में ऐसे व्यापारियों के नाम प्रकाशित करने की योजना है।

पेज 1 का शेषांश

अनेक आयातक कॉटन....

वर्ल्ड कॉटन एक्सपोर्ट्स एसोसिएशन और अमेरिकन कॉटन एक्सपोर्ट्स एसोसिएशन के सूत्रों के अनुसार उनके पास कॉटन के सौदों को लेने से मुकरने जो मामले आए हैं उनमें से लगभग 50 प्रतिशत चीन की मिलों के हैं। अमेरिका के अतिरिक्त भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश की मिलों द्वारा कॉटन के आयात सौदों से मुकरने की भी रिपोर्ट है। सूत्र बताते हैं कि चीन सरकार द्वारा अपने बफर स्टॉक से कॉटन बेचे जाने से भी आयातक कॉटन का आयात नहीं कर रहे हैं, क्योंकि सरकार द्वारा बेची जा रही कॉटन आयातित कॉटन से सस्ती मिल रही है। **ब्राजीलियन भी परेशान...** ब्राजील के कॉटन निर्यातक भी आयातकों के सौदों से मुकरने से परेशान हैं। बताया जाता है कि चीन की मिलें अब ब्राजील से भी कॉटन नहीं उठा रही है, हालांकि वहां पर भाव कुछ सस्ते हैं।

लॉकडाउन खुलने के बाद भी व्यापार ठण्डा

रांची/ ओमप्रकाश अग्रवाल

विगत तीन महिनों के लॉकडाउन में सारा व्यापार अस्त-व्यस्त हो गया है। झारखण्ड में भी तमाम कपड़े की दुकानें पिछले पखवाड़े खुली लेकिन बिक्री कुछ भी नहीं है। ईद, लगन एवं सभी त्यौहारों के मौसम बीत गए हैं। करोड़ों रुपयों का माल जो मार्च महीनें में उत्पादक मण्डियों में चलान हुआ था, वो सारा ट्रांसपोर्टों में ही पड़ा है। गर्मी के मौसम का माल अब सर्दी में कैसे बिकेगा, यह चिन्ता सभी व्यापारियों को सता रही है।

व्यापार की स्थिति में सुधार

इरोड़/ लालचन्द डागा

कोयम्बटूर जो कि साउथ इण्डिया का मैनचेस्टर है, यहां पर टेक्सटाइल गतिविधियां धीरे धीरे चालू हो रही है। अभी लोग कोरोना काल से उबर रहे हैं। इरोड़, सेलम, तिरूपुर और करूर में भी स्थिति धीरे-धीरे सुधरने लग गई है।

रेयॉन फैब्रिक, बरमूडा फैब्रिक, टॉवेल्स, लूंगी कपड़ों में अच्छी ग्राहकी चालू हो गई है, पर पेमेंट सिचुएशन अभी तक नहीं सुधरी है।

श्रद्धांजलि

श्री अर्जुन मेहता

(स्वर्गवास 04.08.2020)

सुपुत्र श्री कमलेश मेहता

ग्रुप केएफपीएल, मुम्बई

श्रद्धानवत

यौगेन्द्र शर्मा

(संपादक)

एवं समस्त

टेक्सटाइल वर्ल्ड परिवार

भीलवाड़ा

यार्न रेट्स Yarn Rate+GST

5 अगस्त, 2020

G.I.S. COTTON MILLS LTD.

PH.329333, 93525-70138

32 PC	160+GST
2/30 PC TFO	175+GST
2/40 PC Dimond	235+GST
2/40 PC White Gold	230+GST
2/30 Black Poly	155+GST
1/18 Black Poly	125+GST

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	203
2/40 Dyed	238
2/50 Dyed	290

ANAND SPINNERS

PH. 260780, 9829046961

2/32 Pvt HD Solid	184+GST
2/32 Pvt HD Frosted	185+GST
2/32 Pvt HD Grindle	190+GST
2/40 Pvt HD Solid	214 +GST
2/40 Pvt HD Frosted	213+GST

ARHAM SPINNING MILLS

NAHAR GROUP

PH. 230720, 9414114056

2/40 PC Combed TFO	250
2/40 P/C Elitwist	230
2/40 Cotton Elitwist	235
2/30 Cotton Corded TFO	205
2/36 Cotton Elitwist	-----
2/36 P/C	-----
Cotton Lycra 1/14	-----
Cotton Lycra 1/16	215
Cotton Lycra 1/12	205
2/30 PV Local TFO	196

SUCHITA MARKETING PVT. LTD.

PH. 93525-36382, 94141-44161

2/30 Poly Grey	140 + GST
30 Poly Grey	129 + GST
2/30 Pv Black	195 + GST
320 Text DMS	98 + GST

RELIANCE CHEMOTEX LTD.

PH. 247711, 98290-45352

2/30 Solid	204
2/40 Solid TFO	240
2/30 Frosted	203
2/30 Black	195
2/30 Poly Gary	166

HIND SYNTEX LTD.

PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	165+GST
2/30 PV	180+GST
2/20 PV 65/35	.....
15S PV	150+GST
2/24 PV	173+GST
2/30 Polyester TFO	158+GST
2/20 Polyester TFO	-----

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900, 96604-14405

2/30 100% Polyester Gray	135
2/30 65/35 Black	202
2/30 65/35 Gray	165
2/40 65/35 Black	230
2/30 PV 65/35 Havy Dark Dyed	215

RSWM LTD.

PH. 247883, 9414102447

8s PV 65/35	-----	30s POLY	-----
10s PV 65/35	-----	2,3 & 4/08 POLY	-----
15s PV 65/35	-----	2 & 3/10 POLY %	-----
20s PV 65/35	-----	3/12 POLY 100 %	-----
30s PV 65/35	-----	2/20 POLY 100 %	-----
2/15 PV 65/35	-----	2/30 POLY 100 %	-----
2/18 PV 65/35	-----	2/21 PVT	-----
2/20 PV 65/35	-----	2/21 PVT RT	-----
2/24 PV 65/35	-----	2/32 PVT	-----
2/30 PV 65/35	-----	2/32 PVT RT	-----
2/36 PV 65/35	-----	1/10 PC 65/35 (Open end)	-----
2/40 PV 65/35	-----	1/12 PC 65/35 (Open end)	-----
8s POLY	-----	1/14 PC 65/35 (Open end)	-----
10s POLY	-----	1/20 PC 65/35 (Open end)	-----
15s POLY	-----	1/30 PV Black	----
20s POLY	-----	2/40 PV Milange	----

(Rs. 6/- Extra for R.T. Yarn)

BANSWARA SYNTEX LTD.

PH. 247656, 94141-11656

1/15 Dyeds Non TBL Sold	----	2/40 Dyeds Non TBL Frosted	----
1/20 Dyeds Non TBL (HT)	----	2/40 Airjet Dyeds Non TBL Sold	----
1/20 Silky Fancy	----	2/40 Airjet Non TBL Frostds	----
2/30 Dyeds Non TBL Sold	----	2/50 Dyeds TBL Solid	----
2/30 Dyeds TBL Frosted	----	**Grey**	
2/30 Airjet PV 65/35 Black	----	2/60 100% Airjet	-----
2/28 Dyed Lycra	----	2/40 100% Airjet	-----
2/40 Dyeds Non TBLSold	----	2/30 100% Airjet	-----

Shri Raj. Texchem Ltd. Shri Raj. Syntex Rajasthan Polycot

PH. 74278-96688

1/15 PV Gray	130
2/15 Grey TFO	144
2/30 PV Grey	163
2/30 Poly	138
2/18 PV Grey	146
2/24 Poly Grey	155

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 94141-12130

2/30 NTBL	205
2/18 Dyed	184
2/40 Dyed	240
2/50 Dyed	300
2/30 Frosted	205
2/30 Dyed Slub	141
2/30 Polyster	-----
2/30 School Dress Clourer	205

R.T.M

PH. 24766, 93140-32404

2/30 Dyed Ntbl	201	24s Cotton Comded	-----
2/40 Dyed	238	**Birla Tex Mills**	
2/30 Frosted	201	2/30 Cotton Carded	-----
2/30 Cotton Carded	-----	30s Cotton Compact	-----
30s Cotton Comded	-----	30s Cotton Com bed Weaving	-----
30s Cotton Comded Weaving	-----	2/30 Cotton	-----
30s Cotton Semi Combed	-----	2/18 Dyed	179

Courtesy By Suresh Saraf, Mumbai

M 9322504449

150/0/ Grey Roto	099
150/350 Grey	112
150/108/350	114
80/72 Fulldull	98
480 Roto	091
640 Roto	092
150 Black DPD	097

SIYARAM SILK MILLS

Space Dyes Yarn	160
150/350 Dyed	160

Kishangarh Yarn Bazar

PH. 98297-21313

JAGDISHKOTHIWAL CON YARN (Per 5 K.G.)

10s Monis	580
10 Bhaskar	590
20 Patiyala Silver	780
20s Patiyala Gold	805
20s Puja viscous	665
16s cottspin	581
20s Mahadev	770
23 ST VISCOUS	.....
20 ST VISCOUS	.....
20 PREMIER.	760
20 Gc Thread Warp	775
20 JS	.....
23 Solan	790
23 G.C. Nala Gragh	793

GST Paid

NKCM GROUP

Mob: 093611-98787

Quality	RATE
30's VSf	152
40's VSf	172
2/40' s VSf	200
30 SLUB	166
30's HT	----
13' Cotton flax	----
20 Cotton flax	----

SIDDHESHWAR TEXTILES

PH. 94141-12223, 94130-57855

Polyester Silkon Yarn

Quality	RATE
150/2-310 Dyed	170.00
100/2-210 Dyed	190.00
150/2-310 White	155.00
150/2-310 Colour	
Pulus Bright	155.00
150/2-310 Catonic Bright	165.00

VISCOSE RAYON YARN

Quality	RATE
180/2 Viscose Rayon	385.0
150/2 Viscose Rayon	435.0
100/3 & 120/3 Viscose Rayon	435.0

Other Yarn

Quality	RATE
2/30 Viscose	
100% Grey	220.00
2/40 Acrylic	
100% Grey	335.00
2/30 Acrylic	
100% Golden	365.00
2/30 Acrylic	
100% Golden Pear	415.00
400 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silver	350.00
225 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silve	450.00
150/350 SD	
Grey Tex	132.00
150/350 SD	
Black Tex	-------
150/400 SD	
Black Tex	-------
200/96/300 SD	
Black Tex	-------
330 Dn Black	
Hores	-------
400 Dn Black	
Miracle	-------
400 Dn White Miracle	-------

SUDHA TEXTILE AGENCY

PH. 94142-62143

150/2 Bright Dyed 138+Vat

180/2 Rayon Dyed 350+Vat

150/2 Bright White 108+Vat

Raghav Group

M. 94141-11402, 93144-66747

Raghav Agency Trident Ltd.

1/10 OE	145
1/14 OE	160
1/16 OE	165
1/20 OE	182
30 KW	215
30 CW	242
2/40 CW ELLY	240
30 CW COMPACT	250
40 CW COMPACT	270
60 CW COMPACT	328
50 CW COMPACT	229

Ankur Udyoug

1/30 Polyester 100%	144+GST
1/20 Polyester 100%	139+GST
1/15 Polyester 100%	133+GST

Sidhartha Super Spinning Mills

2/15 P/V Dyed OG	180+GST
2/18 P/V Black	160+GST
2/30 P/V Black	190+GST

LNJ DENIM

6 OE	145
7 OE	146
8 OE	149
9 OE	-----
10 OE	152
10 Lycra	220
16 Lycra	230
10 Slub Lycra	230
16 Slub Lycra	-----

SRM SPINNERS LIMITED

2/30 P/V Black	-----
2/18 P/V Black	-----

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	165 +GST
2/30 Cone Dyed	215 +GST
150 HIM Cone Dyed	156 +GST
300 HIM Cone Dyed	156 +GST
150/400 Gray	130 +GST

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

MAHABIR

2/30 P/V	168
2/40 P/V	198
1/20 P/V	141
1/15 P/V	135

Janvi

15 Psy	108

JJPL

2/30 Black	160

GST Paid

DHANTEX (INDIA) TEXVENTURES, MUMBAI - 9322234277

QUALITY	CONST.	WIDTH	WEAVE	RATE (Rs.)	SELVEDGE
70CPT X 70CPT	96X84	63"	PLAIN	53.00	JACQUARD
70CPT X 70CPT	124X86	63"	PLAIN	58.00	JACQUARD
70CPT X 70CPT	132X108	63"	PLAIN	70.00	JACQUARD
70CPT X 70CPT	165X104	63"	SATEEN	73.00	JACQUARD
70CPT X 90CPT	96X96	63"	PLAIN	61.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	96X84	63"	PLAIN	58.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	124X80	63"	PLAIN	66.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	124X100	63"	PLAIN	76.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	144X140	63"	PLAIN	98.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	144X100	63"	PLAIN	80.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	144X80	63"	PLAIN	70.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	165X104	63"	SATEEN	86.00	JACQUARD
90CPT X 100CPT	144X120	63"	PLAIN	87.00	JACQUARD
90CPT X 100CPT	132X112	63"	PLAIN	80.00	JACQUARD
60 COTTON SLUB X 60 COTTTON SLUB	92X80	63"	PLAIN	64.00	JACQUARD
60 COTTON SLUB X 60 COTTTON SLUB	92X88	63"	PLAIN	68.00	JACQUARD

VALSON INDUSTRIES LTD.

PH. 94141-12223, 94130-57855 (Exclusive of GST)

Dyed Yarn

Quality	LT/MD	DARK
150/0 Weft Dyed	217.00	207.50
150/0 Rotto Dyed	222.00	232.00
150/350 Cone Dyed	233.00	243.00
85/0 Rotto Dyed	231.00	241.00
85/300 Dyed	231.00	241.00
85 Royal Rotto Twist Dyed	249.00	259.00
80/72 Rotto Cotluk Dyed	256.00	266.00
80/34/600 Dyed Yarn	261.50	271.50
150/350 Bright Dyed	268.00	278.00

Grey Yarn

Denier	Net Rate
80/300 Grey Yarn	136.00
80 Royal Warp Rotto	138.00
80/72/2 Royal Warp Catonic	162.00
80/72/2 FD Cotlook HIM	164.00
80/2/72/300 FD Roto	191.00
80 Roto White Yarn	174.00
150/325 Twisted Grey	145.00
150/325 Dope Dyed Black	150.00
150/500 Dope Dyed Black	149.00
155/2/250 Twisted Grey	153.00

Fancy Yarn-

250 Galaxy	274.00	2/45 Innova Dyed	234.00
160 Tex Space Dyed Sober	229.00	170/350 Bright Space Dyed	215.00
160 Bright Space Dyed	229.00	170/350 Sundram	234.00

PANIPAT YARN

Mob: 9416031498

TEXTURISE		6 CONE	60-90
150 Roto Grey	110-120	8 CONE	75-100
150 Roto Black	115-120	10 CONE	75-100
150 Roto Bright	120-130	2/4 CONE	60-82
150 Roto Dyed	120-130	2/6 CONE	75-110
150/250 Roto Grey	125	2/8 CONE	84-120
150/250 Roto Dyed	149-160	2/10 CONE	85-130
150 Fdy	105	2/20 CONE	145-185
P.V. Yarn		2/30 CONE	225
2/30 Grey CL	170	2/40 CONE	255
2/40 POLY	180	**STAPLE YARN**	
2/15 Poly CL	125	10 CONE	198
2/20 Poly CL	133	15 CONE	200
20 Poly	119-134	20 CONE	205
Cotton Yarn		2/15 CONE	208
4 CONE	55-69	2/40 CONE	259

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428 (M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg		2/80 PC Combed	311 + GST
30/62 Alpine	212 + GST	2/76 Polyster	248 + GST
2/60 PVT	214 + GST	2/60 P.V.	251 + GST
155/2 Bright S&Z	145 + GST	-------	

VENERDI-ITALY PRESENTS ANTIVIRAL FINISH FABRICS

Bengaluru/ World famous shirting brand Venerdi - Italy has recently launched the Anti Viral Finish Fabrics range. Director Shri Jodhraj Jain said that due to the Covid-19 pandemic, anti-viral fabric in the market has increased the desire of people. Whose wide demand is also being seen. We have also designed anti viral fabric in the Extra Premium range, which is available in different types of finishes. According to Mr. Jain, this fabric can perform well in the market under present conditions. Because until the Covid-19 pandemic vaccine is formed, its effect will not be reduced. Hence the demand for anti viral fabric may increase in the near future. As soon as the information of this cloth will reach the common people, the demand for it will increase continuously.

Shri Jodhraj Jain

HEALTH GUARD

Health Guard provides a world class anti-fungal and antibacterial treatment. Other Features & Benefits include - durable color fast and UV stable, safe for humans and the environment, long lasting efficacy, creates a hygienic environment, prevents odour and discoloration, and increases the life-span of the treated article. This can also be used on wide range of Fabrics.

Wash Durability - 20 HL

VIROBLOCK

It has strong antiviral and antibacterial effect and has proven effective againstSARS-CoV-2, the COVID-19 causing virus (99.99% Reduction of Virus). It is suitable for all fibre types, from medical nonwovens (e.g. face masks) tofabrics for clothing and home textiles. It is Hypoallergenic, provides self-sanitizing and germ resistant surface. It also has strong antimicrobial effect that addresses body odours and bacterial derived odours on textiles.Overall it improves comfort, hygiene & freshness of the fabric.

Wash Durability - 20 HL

GLOBE TECH

Globe Tech increases your performance and movement by moving the sweat away from the body, as it makes fabric breathable and has quick absorption,excellent moisture wicking and quick dry properties with Antimicrobial. It also adds Non-Iron property to the fabrics, along with soft touch, comfort with lightweight & is easy to care.

DP Rating - 3.5

SILADE

Fabric finish which is antimicrobial and has been effective upto log-4 reduction. It is safe on skin and is long lasting.

Wash Durability-20 HL

PURE REPEL

This is an easy maintenance finish which is a combination of - stain & water resistance & anti microbial finish. The fabrics treated with this finish are easy to wash & have lasting freshness.

Wash Durability - 20 HL

होजियरी एवं रेयॉन फैब्रिक उत्पादन में ट्रेण्ड सेटर कंपनी ममता निट फेब

Mamta Knit Fab

ममता निट फेब सन् 1970 से अहमदाबाद में सुस्थापित है। यह कम्पनी अहमदाबाद के होजरी निर्माताओं में अग्रणी मानी जाती है। इनका उत्पादन 200 टन प्रतिमाह का है व इसे 300 टन करने के लक्ष्य के साथ प्रगतिशील है। ये आंकड़े इनकी तीव्र विकास की ओर अग्रसर होना इंगित करते हैं। इनके वस्त्र चिरीपाल इण्डस्ट्रीज लि. शान्ति प्रोसेस हाउस में प्रिण्ट होते हैं। इसके अतिरिक्त ये रेडीमेड गारमेण्ट के कॉटन व रेयॉन फैब्रिक में 'ट्रेण्ड सेटर' माने जाते हैं। रेडीमेड गारमेंट के लिए इनका व्यापार दक्षिणी भारत एवं भारत के प्रमुख वस्त्र बाजार हैं। ये ग्राहक का विश्वास जीतने के लक्ष्य के साथ व्यवसायरत है व जनता की उन्नति के लिए प्रयासरत हैं। इन्होंने अपने व्यवसाय को ईमानदारी और निष्ठा के आधार स्तंभों पर खड़ा कर व्यापार वृद्धि के नए आयाम स्थापित किए हैं। इनका उद्देश्य बेहतरीन क्वालिटी को वाजिब दाम पर उपलब्ध कराने का है, ताकि इनके उपभोक्ता क्वालिटी उत्पाद व सेवा से संतुष्ट रहें।

मोबाइल एप की भव्य लॉञ्चिंग

निटेड होजियरी फैब्रिक्स के उत्पादन में राष्ट्रीय पहचान रखने वाली कंपनी ममता निट फेब ने हाल ही टेक्सटाइल उत्पादन क्षेत्र में 50 वर्ष पूर्ण करने पर अपना मोबाइल एप लॉञ्च किया। कंपनी के डायरेक्टर श्री भंवरलाल चौरड़िया ने बताया कि कोरोना महामारी से बाजार में बनी विपरीत परिस्थितियों से मुकाबला करने के लिए हमारी कंपनी ने ऑन लाइन व्यापार करने के उद्देश्य से मोबाइल एप तैयार किया है। इस एप के माध्यम से कंपनी ने अपने समस्त ग्राहकों से जुड़ने की मुहिम स्टार्ट की है। श्री चौरड़िया ने कहा कि जिस तरह गारमेण्ट कंपनीज अपने रेडीमेड गारमेण्ट्स का ऑनलाइन व्यापार करती है, वैसे ही हम होजियरी फैब्रिक्स का ऑनलाइन व्यापार करने की ओर कदम बढ़ा चुके हैं। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु हमने 3 अगस्त 2020 को Mamta Knit Fab के नाम से मोबाइल एप की विधिवत लॉञ्चिंग की है।

शांति प्रोसेस हाउस (चिरीपाल ग्रुप) के एमडी श्री राजेश बिन्दल एवं मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन के प्रेसीडेण्ट श्री गौरांग भगत ने इस एप की लॉञ्चिंग की। इस अवसर पर श्री राजेश बिन्दल एवं श्री गौरांग भगत ने ममता निट फेब के डायरेक्टर श्री भंवरलाल चौरड़िया एवं सभी युवा डायरेक्टर श्री ललित चौरड़िया, श्री विक्रम चौरड़िया एवं श्री प्रवीण चौरड़िया को बधाई देते हुए कहा कि कोविड-19 से बिगड़ी बाजार की हालत के मद्देनजर यह एक बेहतरीन कदम है, जो ममता निटफेब ने उठाया है।

श्री भगत ने कहा कि आने वाले 6 माह तक व्यापार की स्थिति नाजुक ही बनी रहने का अनुमान है ऐसे में डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापार करना अवश्य ही अच्छा विकल्प हो सकता है। व्यापारी बिना व्यापारिक यात्रा एवं खर्चे के अपनी मनपसंद का माल खरीद सकता है। निकट भविष्य में अच्छी ग्राहकी की संभावना जताने वाले श्री चौरड़िया ने कहा कि आपदा में अवसर ढूंढना ही अच्छे एवं कुशल उद्यमी की पहचान होती है। हम भी इस महामारी में कुछ युनिक करने का प्रयास कर रहे हैं।

श्री भंवर लाल एन. चोरड़िया, डायरेक्टर

यह इस उद्योग के मूल आधार हैं। इनकी 50 वर्ष पूर्व स्थापित परिकल्पना का ही परिणाम है कि आज यह संस्थान इस मुकाम पर पहुंचा है। इनकी समाज में सम्माननीय एवं माननीय हस्तियों में की गणना होती है। वित्तीय एवं विकास संबंधी सभी निर्णय इन्हीं के द्वारा लिए जाते हैं। इन्हें भविष्य के बाजार की स्थिति के पूर्वानुमान का विशद् अनुभव है। व्यापार के अतिरिक्त यह सामाजिक कार्यों में तन मन से जुड़े हुए हैं।

श्री ललित बी. चोरड़िया

इनका रेडीमेड गारमेंट तथा कॉटन फैब्रिक व्यापार में विशेष अनुभव है। यह कंपनी में सकल रेडीमेड, कॉटन व रेयॉन फैब्रिक को मैनेज करते हैं। यह बाजार की मांग अनुसार संतुलन कायम कर व्यापार करने में निपुण हैं। इन्हें बाजार में ''टायकोन'' के रूप में पहचाना जाता है। इन्होंने संस्थान में गुणवत्ता की जांच के कठोर मापदंड बनाए हैं, इससे व्यापार व मानक निरंतर ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

श्री विक्रम बी. चोरड़िया

श्री चोरड़िया ने अपना केरियर फैब्रिक को नवीनता प्रदान करने के साथ आरंभ किया। यह उत्पाद संबंधी गतिविधियां देखते हैं। इन्हें होजरी सेक्टर का विशद ज्ञान होकर आधुनिक फैशन बाजार की भावी आगामी आवश्यकता आदि के मामलों में दक्षता हासिल है। ये अकेले ही उत्पादन को गति प्रदान करते हैं व उनके बिजनेस आइडिया से हमें मार्केटिंग में बड़ा सहयोग प्राप्त होता है।

श्री प्रवीण बी. चोरड़िया

इन्होंने अपनी स्नातक योग्यता कंप्यूटर प्रशासन में पूर्ण की है, इसके बाद यह इस संस्थान से जुड़े। अपने तकनीकी ज्ञान व फैब्रिक डिजाइन की योग्यताओं से उन्होंने पूरी कंपनी का आउटलुक तैयार किया। यह बिक्री संबंधी सारे कार्य देखते हैं व सेगमेंट की गतिविधियों पर नजर रखते हैं। ग्राहकों के साथ मित्रवत् व्यवहार स्थापित कर व्यापार में निरंतर वृद्धि कर रहे हैं। इनमें बाजार के ग्राहकों और संस्थान के कर्मियों को संतुष्ट करने की विशेष योग्यता हासिल है।

MAMTA KNIT FAB

■ Bhanwanlalji Chordia : 9016883434 ■ Lalit Chordia : 9427620475 ■ Vikram Chordia: 9825507926 ■ Pravin Chordia : 9428100187

Address : E-11/12, Sumel Business Park-3, Ahmedabad, E-Mail: mamtaknitfab@gmail.com

Postal Registration No BHILWARA/208/2018-2020 RNI Registration No. 71772/98

रेडीमेड गारमेण्ट उद्योग पर कोविड-19 की मार

निर्यात-घरेलू कारोबार में 25-30 फीसदी गिरावट की आशंका

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

कोरोना वायरस के कारण देश के रेडीमेड गारमेंट उद्योग का कारोबार(निर्यात और घरेलू) बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है और एक अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष के दौरान इसमें 25 से 30 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। न केवल निर्यात में कमी की आशंका है अपितु घरेलू मांग में भी गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त लाभ की कम दर और कार्यशील पूंजी में वृद्धि वे अन्य कारण हैं, जिनसे रेडीमेड गारमेंट उद्योग प्रभावित हो रहा है। क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार निर्यातकों के अधिक प्रभावित होने की आशंका है, क्योंकि उनके राजस्व में गिरावट अधिक होने के साथ ही भुगतान आने में भी देरी हो रही है।

रिपोर्ट के अनुसार देश भर में लम्बे समय तक चले लॉकडाऊन के कारण लोगों की खरीद शक्ति कमजोर होने और घरेलू बाजार में मांग कम होने से कुल मिलाकर रेडीमेड गारमेंट के राजस्व में 25 से 30 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। इसके अलावा अमेरिका और यूरोप के कोरोना वायरस से सर्वाधिक प्रभावित होने से निर्यातकों के राजस्व में और अधिक कमी आ सकती है, क्योंकि देश के कुल गारमेंट निर्यात में से लगभग 60 प्रतिशत का निर्यात अमेरिका और यूरोपीय समुदाय को ही किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक गत लगभग पांच वर्षों से गारमेंट के निर्यात में कोई खास वृद्धि दर्ज नहीं की जा रही है, लेकिन घरेलू बाजार से रेडीमेड

गारमेंट उद्योग को अच्छा समर्थन मिल रहा था। जिससे कुल मिलाकर उद्योग की स्थिति अच्छी बनी हुई थी। बहरहाल, इस वर्ष कोविड के कारण घरेलू बाजार में भी मांग घट रही है, इससे रेडीमेड गारमेंट उद्योग का राजस्व अधिक प्रभावित होगा। क्रिसिल रेटिंग्स के डायरेक्टर श्री गौमत शाही का कहना है कि कॉटन के भाव में नरमी और लागत में कमी के बावजूद रेडीमेड गारमेंट उद्योग के ऑपरेटिंग मार्जिन में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त उद्योग की कार्यशील पूंजी का चक्र भी बढ़ रहा है क्योंकि जहां एक और निर्माताओं और निर्यातकों के पास अधिक स्टाक है, वहीं दूसरी ओर भुगतान आने में भी देरी हो रही है। एक अनुमान के अनुसार कोविड-19 के कारण गत वित्त वर्ष के अंत में उद्योग के पास तैयार रेडीमेड गारमेंट स्टॉक पूर्व की तुलना में 20 से 25 प्रतिशत अधिक बचा था। उल्लेखनीय है कि सरकार ने मार्च के अंतिम सप्ताह से देश व्यापी लॉकडाऊन लागू कर दिया था, इससे देश भर में सामाजिक, व्यापारिक और आर्थिक गतिविधियां एकदम ठहर गई थी। रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भी मांग कमजोर रहने से रेडीमेड गारमेंट का स्टाक उच्च स्तर पर बने रहने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त यूरोप के अनेक रिटेल स्टोरों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से निर्यातकों की परेशानी और बढ़ जाएगी, क्योंकि उनका भुगतान अब देरी से आएगा। रेडीमेड गारमेंट निर्माताओं के लाभ में कमी आने से उनके पास चालू वित्त वर्ष की पहली छःमाही में भुगतान करने के लिए धन की कमी बनी रहेगी। निर्माताओं को अपना भुगतान करने के लिए कार्यशील पूंजी का उपयोग करना होगा या सरकार द्वारा ब्याज-माफी या ऋण लेकर भुगतान करना होगा। इसके अलावा चालू वर्ष की दूसरी छःमाही में नकदी के प्रवाह में सुधार का अनुमान है, क्योंकि तीसरी तिमाही में घरेलू बाजार में त्यौहारी और वैवाहिक सीजन की मांग आने के साथ ही निर्यातकों के पास विन्टर सीजन के आर्डर भी आने की

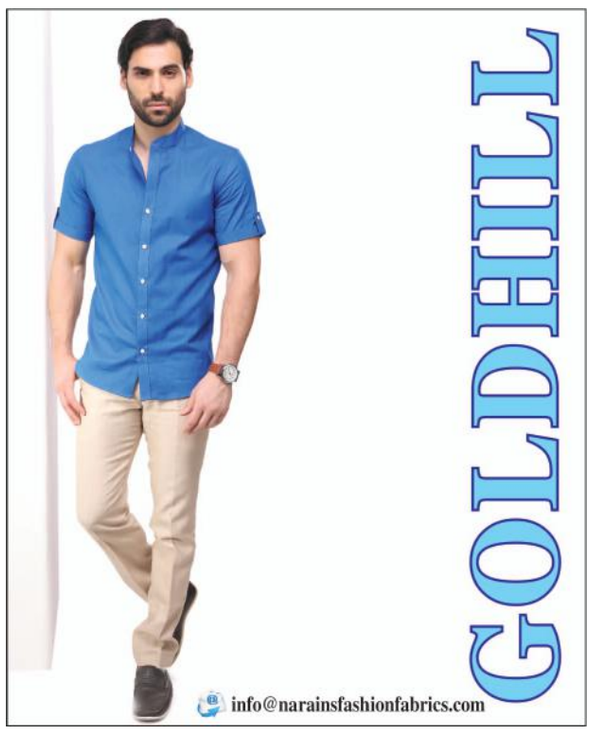

अब ओणम, दशहरा, दिवाली जैसे बड़े त्यौहारों पर टिकी उम्मीदें

कोरोना संक्रमण काल में गारमेंट इकाइयों को करना पड़ेगा और इंतजार

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

आगे ओणम पूजा, दशहरा और दीपावली जैसे भारी भरकम त्योहार हैं, इसके साथ ही 2 से 3 सितम्बर को ऑनलाइन नेशनल गारमेंट फेयर होने जा रहा है। मुंबई की गारमेंट इकाईयों को शुरू करने की मांग बहुत दिनों से की जा रही थी और उम्मीद थी कि अनलॉक 3 में इस बारे में उचित निर्णय लिया जा सकता है। लेकिन सरकार एव बीएमसी की ओर से इस बारे में कोई तवज्जो नहीं देने से उलझन में रही गारमेंट इकाईयों में उत्पादन शुरू कर दिए जाने की रिपोर्ट मिल रही है। यह एक तरह से कानून का उल्लंघन है इसके बावजूद गारमेंट का उत्पादन शुरू करने के लिए इकाइयों को मजबूरन यह कदम उठाना पड़ा है। अभी बाहर के मॉल्स एवं शापिंग कॉम्पलेक्स की दुकानों को सुबह 9 से शाम 7 बजे तक खोलने की छूट मिली है, लेकिन कपड़ा उद्योग एवं बाजारों को यह छूट नहीं है।

दी क्लोदिंग मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया जो गारमेंट की सबसे बड़ी प्रतिनिधी संस्था है, उसने राज्य सरकार और बीएमसी से इन गारमेंट इकाईयों को खोलने का कई बार आग्रह किया था। करीब 85000 फैक्टरियां हैं,जो अधिकतर एमएसएमई क्षेत्र में आती है।

कोरोना संक्रमण शुरू होने से पहले इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला था। मिली जानकारी के अनुसार अब सीएमएआई के सर्वे में 25 से 30 प्रतिशत गारमेंट कारखानों के बंद हो जाने का अंदेशा है। इससे भारी बेरोजगारी उत्पन्न होने के साथ बैंक लोन के गर्दिश में पड़ने की संभावना भी व्यक्त की गई है। मौजूदा परिस्थितियों में गारमेंट उद्योग का भविष्य धुंधला दिखाई दे रहा है। छोटी इकाईयों के टिके रहने के प्रति भी अंदेशा है। दहशत के माहौल के बीच श्रमिकों की छंटनी होने की भी संभवना हैं। सदस्यों के बीच किए गए एक सर्वे में 74 प्रतिशत सदस्यों का कहना है कि जून 2020 को समाप्त त्रैमासिक अवधि में गारमेंट की बिक्री में 90 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। शेष 13 प्रतिशत सदस्य मानते हैं कि बिक्री में 75 प्रतिशत की गिरावट आई है। इतना ही नहीं, आगे जुलाई से सितम्बर की अवधि के लिए भी संयोग बहुत अच्छे होने के आसार नहीं है। 95 प्रतिशत सदस्यों का कहना है कि वे अपनी स्थापित क्षमता का 50 प्रतिशत से भी कम का उपयोग कर सकेंगे। अगले तीन महीने में 25 प्रतिशत से कम क्षमता का उपयोग हो सकता है। इस उद्योग से जुड़े आधे से अधिक लोगों का मानना है कि आगामी 12 महीने में 50 प्रतिशत से कम क्षमता पर वे काम कर सकेंगे। गारमेंट एक चमकता क्षेत्र रहा है, पर कोरोना महामारी के कारण इस उद्योग को भारी झटका लगा है।

पिछले साल टेक्सटाइल मशीनरी निर्यात में कमी

इस वर्ष भी आसार अच्छे नहीं

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

सूत्रों का कहना है कि वित्त वर्ष 2019-20 में देश से टेक्सटाइल मशीनरी के निर्यात में लगभग 19.35 प्रतिशत की गिरावट आई है और चालू वर्ष में भी हालात अच्छे नजर नहीं आ रहे हैं, क्योंकि कोविड-19 के कारण टेक्सटाइल उद्योग में ताजा निवेश में ठहराव जैसी स्थिति नजर आ रही है। वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान देश से कुल 688.10 मिलियन डॉलर का निर्यात किया गया, जबकि इससे पूर्व वर्ष में निर्यात 853.17 मिलियन डॉलर का किया गया था।

जानकार बताते हैं कि गत वित्त वर्ष के आरंभ से ही देश से टेक्सटाइल मशीनरी निर्यात में कमी आनी शुरु हो गई थी, जो पूरे वर्ष जारी रही तथा वर्ष का अंत 19 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ हुआ। गत वर्ष दिसम्बर में चीन में कोरोना वायरस के फैलने से भी भारत से टेक्सटाइल मशीनरी का निर्यात प्रभावित हुआ और इससे अनेक फैब्रिक निर्माता देशों के टेक्सटाईल क्षेत्र में नया निवेश पर असर दिखा। उनका यह भी मानना है कि कोविड-19 महामारी की वर्तमान स्थिति को देखते हुए ऐसा लगता है कि देश से टेक्सटाईल मशीनरी के निर्यात में कमी का दौर बना रह सकता है, हालांकि कुछ आशावान निर्माताओं का कथन है कि सितम्बर-अक्टूबर के बाद निर्यात में कुछ सुधार हो सकता है लेकिन अधिकांश निर्माता इसे बारे में आशंकित ही हैं।

व्यापारी बताते हैं कि घरेलू बाजार में भी टेक्सटाइल मशीनरी की मांग कमजोर बनी रही, इसके अलावा स्पिनिंग, ट्विस्टिंग और यार्न तैयार करने वाली मशीनों का निर्यात अधिक प्रभावित हुआ। भारत से मशीनरी निर्यात में सबसे अधिक योगदान स्पिनिंग, ट्विस्टिंग और यार्न तैयार करने वाली मशीनों का है और सबसे बड़ा आयातक देश बांग्लादेश है। स्पिनिंग, ट्विस्टिंग और यार्न तैयार करने वाली मशीनों के निर्यात में लगभग 41 प्रतिशत की कमी आई और व्यापार 182.82 मिलियन डॉलर का रहा, इसमें टेक्सटाइल स्पिनिंग मशीनों का निर्यात की 114.27 मिलियन डॉलर शामिल है। इनका सबसे अधिक निर्यात बंगलादेश को किया जाता है। इसके अतिरिक्त पाकिस्तान, उजबेकिस्तान, वियतनाम, तुर्की, यूएई, नीदरलैंड और इंडोनेशिया को भी इनका निर्यात किया जाता है तथा इन सभी देशों को निर्यात में कमी दर्ज की गई।

कॉटन स्पिनिंग रिंग फ्रेम का निर्यात भी 48 प्रतिशत गिरकर 96.90 मिलियन डॉलर का रह गया। सूत्र बताते हैं कि इस मशीन का निर्यात भी काफी कम रेट पर किया गया, क्योंकि मांग कमजोर थी। बहरहाल ऑक्सीलरी मशीनों के निर्यात में कुछ सुधार हुआ और 17.34 प्रतिशत बढ़कर 149.78 मिलियन डॉलर हो गया। इससे पूर्व वर्ष में निर्यात 181.19 मिलियन डॉलर का था। भारतीय आक्सीलरी मशीनों का सबसे बड़ा आयातक देश जर्मनी है। वहां के लिए निर्यात में बढ़ा भी लेकिन चीन, इंडोनेशिया, बंगलादेश और इटली के निर्यात में कमी आई।

देश से वीविंग मशीनों के निर्यात में भी गिरावट दर्ज की गई है और लगभग 15 प्रतिशत घट कर 32.79 मिलियन डॉलर रह गया। भारत से वीविंग मशीनों का सबसे अधिक निर्यात वियतनाम को किया जाता है। देश से नीटिंग मशीनों का निर्यात लगभग 8 1 प्रतिशत उछल गया, लेकिन कुल निर्यात में इसका योगदान बहुत ही कम है और इनका सबसे अधिक निर्यात इटली को किया जाता है। वर्ष 2019-20 में निटिंग मशीनों का कुल निर्यात 4.41 मिलियन डॉलर रहा, इसमें से 1.43 मिलियन डॉलर का निर्यात केवल इटली को किया गया। देश से प्रिन्टिंग मशीनों के निर्यात में भी लगभग 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और कुल 140.70 मिलियन डॉलर का निर्यात किया गया। सबसे अधिक 14.45 मिलियन डॉलर का निर्यात केवल इटली को ही किया गया।

देश से बांग्लादेश को टेक्सटाइल मशीनरी निर्यात लगभग 34 प्रतिशत गिरकर 76.44 मिलियन डॉलर रह गया जबकि वर्ष 2028-19 में बांग्लादेश को 116.55 मिलियन डॉलर का निर्यात किया गया था। जर्मनी को निर्यात में लगभग 22 प्रतिशत की कमी आई लेकिन यूएई, अमेरिका और इटली को टेक्सटाइल मशीनरी निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई।

विश्व बाजार... सूत्रों के अनुसार केवल भारत से टेक्सटाइल मशीनरी का निर्यात ही प्रभावित नहीं हुआ अपितु विश्व में भी इसके निर्यात कारोबार में कमी दर्ज की गई। विश्व बाजार में टेक्सटाइल मशीनरी का कुल निर्यात कारोबार पूर्व वर्ष की तुलना में 12.57 प्रतिशत गिर कर 1,09,337.86 मिलियन डॉलर का रह गया। विश्व में टेक्सटाइल मशीनरी निर्यात में चीन का स्थान पहला है और इसके कुल कारोबार में भागीदारी लगभग 23 प्रतिशत है। वहां से भी 2019-20 के दौरान इसके निर्यात में 8 प्रतिशत की कमी आई और गिर कर 24,8 42 मिलियन डॉलर रह गया। चीन की प्रिन्टिंग मशीनों को विश्व भर निर्यात में किया जाता है और इनका निर्यात सबसे अधिक है।

रुई उत्पादन साढ़े पांच लाख गांठ बढ़कर कुल 335.50 लाख गांठ

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

रुई बाजार नरम है। मांग साधारण है। हल्की गुणवत्ता की आवक अधिक होने से बाजार पर दबाव है। कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के पास भरपूर स्टॉक होने से इसने 15 जून से बिक्री शुरू की थी, परंतु ज्यादा स्टॉक नहीं निकला है। सीसीआई ने क्वांटिटी डिस्काउंट भी ऑफर की है। दरअसल हाजिर में रुई के भाव सीसीआई के भाव की तुलना में कम हैं। दूसरे स्पिनिंग मिलें खरीदी करने के लिए आगे नहीं आ रही है, कारण कि उनके पास तैयार कॉटन यार्न का भरपूर स्टॉक होने से यार्न उत्पादन सीमित रखा है। निर्यात बाजारों में बांग्लादेश और वियतनाम ही अच्छे हैं, अन्य की मांग बहुत कमजोर है। लॉकडाउन के दौरान भी सरकारी एजेंसियों ने किसानों के हित में न्यूनतम समर्थन भाव पर कपास की खरीदी जारी रखी है। उत्पादन अनुमान 5.5 लाख गांठ बढ़कर 335.50 लाख गांठ है।

सीसीआई का मई 2020 में उत्पादन अनुमान 330 लाख गांठ था, जो पिछले वर्ष के 312 लाख गांठ की तुलना में 23.50 लाख गांठ अधिक था। स्पिनिंग मिलों का कामकाज बंद रहने और अभी धीमी गति से शुरू होने रुई की स्थानीय खपत का अनुमान 331 लाख गांठ से घटाकर 280 लाख गांठ किया था। सीसीआई के अनुसार सितम्बर 20 अंत में रुई का स्टॉक बढ़कर 55.50 लाख गांठ रहेगा। मई 20 का अनुसार 50 लाख गांठ था। सीसीआई की फसल समिति की करीब 30 सदस्यों की एक बैठक अगस्त अंत तक होने जा रही है, जिसमें 2019-20 की रुई की आवक एवं जावक की एक सटीक निचोड़ की रूपरेखा तैयार की जाएगी, तथापि चालू सीजन में उत्पादन में जो साढ़े पांच लाख गांठ की बढ़त है, उसमें हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, आंध्र, कर्नाटक का योगदान है।

दूसरी ओर सीसीआई का अनुमान है कि जून अंत तक अपेक्षित उत्पादन का करीब 97.50 प्रतिशत अर्थात् 327 लाख गांठ की आवक हो चुकी है। इस आवक में नॉर्थ जोन की 59 लाख गांठ, सेंट्रल जोन में गुजरात में 80, महाराष्ट्र में 80, मध्यप्रदेश में 16 को मिलाकर कुल 176 लाख गांठ, साउथ जोन में तेलंगाना में 51, आंध्रप्रदेश में 14, कर्नाटक में 18.50 और तमिलनाडु में 3.50 को मिलाकर कुल 87 लाख गांठ। इसके अलावा उड़ीसा और अन्य राज्यों के कुल 4.75 लाख गांठ की आवक शामिल हैं, लेकिन व्यापारियों के अनुमान तथा आवक दोनों इससे भिन्न रहे हैं। विश्व बाजार में भारतीय रुई सस्ती होने से रुई का निर्यात 47 लाख गांठ और आयात 15 लाख गांठ रहने की धारणा है। पिछले वर्ष 2018-19 में रुई का निर्यात 42 लाख गांठ और आयात 32 लाख गांठ रहने का अनुमान लगाया गया था।

आगामी 2020-21 की सीजन में कपास बुवाई के मिल रहे आंकड़ों के अनुसार अब तक 104.8 लाख हेक्टेयर में कपास की बुवाई की जा चुकी है। आमतौर पर कपास की बुवाई का सामान्य क्षेत्रफल 120 से 122 लाख हेक्टेयर रहा करता है। इस बार यह क्षेत्रफल बढ़ा है। गुजरात जो देश में कपास उत्पादन में सबसे आगे है, यहां 80 प्रतिशत कपास की बुवाई हो चुकी है। पिछले वर्ष के 22.50 लाख हेक्टेयर के सामने इस बार 21.47 लाख हेक्टेयर में कपास बोया गया है, जबकि यहां कपास करीब 26.73 लाख हेक्टेयर में उगाया जाता रहा है। इससे प्रतीत होता है कि गुजरात में इस बार किसानों ने कपास के बदले में अन्य फसलों को तरजीह दी है। सौराष्ट्र में सबसे अधिक 15.21 लाख हेक्टेयर में कपास उगाया गया है। सौराष्ट्र में अमरेली जिला सबसे आगे है, उसके बाद सुरेंद्र नगर आता है।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए डीबी प्रिन्ट सोल्यूशन्स (ए यूनिट ऑफ डीबी कॉर्प लि.) बी-27-28, पांसल चौराहा, पुर रोड, भीलवाड़ा (राज.) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा।**